3 नवंबर 2025

सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

डुमरांव विधानसभा के डिस्पैच सेंटर का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

2

मगध पुरातन भारत की शान रहा है : पीएम मोदी

- मगही पान व बनारस के रिश्ते की मिठास का अनोखा संगम

एजेंसी/नवादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार के नवादा जिले के कुंती नगर मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत उन्होंने मगही भाषा में करते हुए की, जिससे जनसभा में मौजूद लोगों का उत्साह देखते ही बना। उन्होंने कहा कि हम हड़िया सूर्य मंदिर की पवित्र भूमि, संकटमोचन और गोनावां की तपोभूमि, बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू की धरती को नमन कर हिए। अपने सबके अभिनंदन करी हियो। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मगही पान की धरती है, और चूंकि वे बनारस के सांसद हैं, इसलिए मगही पान और बनारस के रिश्ते की मिठास को वे भली-भांति समझते हैं। मोदी ने मगध की महिमा का बखान करते हुए कहा कि नवादा, नालंदा, औरंगाबाद, जहानाबाद और अरवल की यह धरती अद्भुत सामर्थ्य वाली है। उन्होंने बिहार केसरी श्रीकृष्ण बाबू, लोकनायक जयप्रकाश नारायण और भोला सिंह जैसे जननायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि मगध की मिट्टी ने इतिहास में मां भारती को अनेक महान संताने दी हैं। मगध पुरातन भारत की शान रहा है, अब हमें उसी गौरव को लौटाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के दौरान विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये चारे वाले सोचते हैं कि बिहार की जनता को फिर से चराया जा सकता है, लेकिन जनता उनकी रग-रग को पहचान चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव खत्म होते ही राजद और कांग्रेस के नेता एक-दूसरे के बाल नोचते नजर आएंगे। एक बिहार का सबसे बड़ा भ्रष्ट परिवार है, तो दूसरा देश का सबसे बड़ा भ्रष्ट परिवार। इन दोनों परिवारों के बीच अब घमासान मचा हुआ है। राजद नेता पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां एक जंगलराज के युवराज हैं, जिन्हें लगता है कि उनकी पदयात्रा ने उन्हें ही पैदल कर दिया है। मोदी ने कहा कि कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन और करप्शन यही पहचान आरजेडी की रही है।

पीएम मोदी के रोड शो में सीएम नीतीश रहे नदारद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में नजर आए थे। पटना के रोड शो में भी। शाम का ही नजारा था। वह तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं। कहा जा रहा था कि सीएम नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के एक तरफ दबे-दबे से नजर आ रहे थे। लगातार यात्राएं तब भी कर रहे थे नीतीश कुमार। अब भी कर रहे। बिहार विधानसभा चुनाव की अधिसूचना के बाद पर्व-त्योहार के कारण चुनाव प्रचार के लिए समय नहीं मिला था। अब पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार सभाएं भी अलग-अलग कर रहे हैं। रविवार को पीएम मोदी के रोड शो में जब उनकी गाड़ी पर सीएम नीतीश कुमार नहीं नजर आए तो सवाल कौंधा कि कुछ गड़बड़ है क्या? लेकिन, यह पहले से तय हो गया था। पीएम मोदी के रोड शो में नीतीश कुमार अगर होते तो उनके बाएं-दाएं ही होते। यह लोकसभा नहीं, विधानसभा चुनाव है और उसमें वही प्रमुख चेहरा हैं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के। इसी को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई गई थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दाएं-बाएं नहीं दिखे।

गोवा में रेत खनन विवाद में गोलीबारी दो कांस्टेबल सहित सात गिरफ्तार

एजेंसी/पणजी

उत्तरी गोवा के पेरनेम में रेत खनन विवाद में गोलीबारी के मामले में रविवार को सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो पुलिस कांस्टेबल भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि 28 अक्तूबर की रात करीब ढाई बजे पोरेसकोडेम में खाजने के निवासी रामऋषि पासवान (54 वर्षीय) ने दावा किया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनपर और उनके सहयोगी लालबाबू गॉड (37 वर्षीय) पर गोलीबारी की, जब वे तेरेखोल नदी के पास रेत निकाल रहे थे। पासवान की गर्दन में चोटें आईं, जबकि गॉड के दाहिने हाथ और पेट के किनारे गोली लगी। इसके बाद पेरनेम थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।पुलिस अधीक्षक (उत्तर) राहुल गुप्ता ने बताया कि जांच में सात लोगों का नाम सामने आया, जिनमें ऋषिकेश महाले (32 वर्षीय) और गंगाराम महाले (34 वर्षीय) शामिल हैं, जो इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) में कांस्टेबल हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला कि हमला अवैध रेत खनन को लेकर विवादों से जुड़ा था। स्थानीय लोगों का कहना था कि इससे उनके धान के खेत और खेती की जमीन को नुकसान पहुंच रहा है। एसपी राहुल गुप्ता ने कहा कि दोनों कांस्टेबल के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और मामले की आगे जांच जारी है।

टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में जा घुसी, दर्शन कर लौट रहे थे सभी

जोधपुर में हुआ सड़क हादसा 18 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी। जोधपुर

फलोदी जिले के मतोड़ा क्षेत्र में रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में टूरिस्ट बस के खड़े ट्रेलर में जा घुसने से 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं दो गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार बस जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर बीकानेर के कोलायत दर्शन के लिए गई थी। लौटते समय मतोड़ा क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक जोधपुर के सूरसागर निवासी बताए जा रहे हैं। श्रद्धालु मुनि आश्रम के दर्शन और कार्तिक स्नान कर लौट रहे थे।सूचना मिलने पर मतोड़ा थाना अधिकारी अमानाराम पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया। थाना अधिकारी अमानाराम ने बताया कि हादसे में 18 यात्रियों की मौत हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टूरिस्ट बस तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक का संतुलन बिगड़ने से बस खड़े ट्रेलर में जा घुसी। हादसे के बाद बस में फंसे यात्रियों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस ने की पुष्टि

फलोदी के पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने हादसे में मृतकों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हादसे में 18 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 3 घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां से उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर रेफर किया गया। फलोदी के डीएसपी अचलसिंह देवड़ा ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गये है। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना फलोदी के पास माटोडा गांव में भारत माला एक्सप्रेसवे पर हुई। शुरूआती जानकारी के अनुसार, सभी मृतक एक ही परिवार से थे और मंदिर में दर्शन करने के बाद जोधपुर लौट रहे थे। घायलों को पहले पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए ग्रीन कॉरिडोर के जरिए जोधपुर ले जाया गया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने जिला कलेक्टर, एसपी और अन्य अधिकारियों से फोन पर बात की और निर्देश दिए कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए और उन्हें सर्वोत्तम इलाज मुहैया कराया जाए।

पूर्व सीएम जताया दुख

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पटना में रहते हुए माटोडा, फलोदी में हुए सड़क हादसे की खबर मिली है। जिसमें 18 लोगों की जान चली गई। यह बेहद दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि, मृतकों को शांति मिले। परिवारों को हिम्मत मिले और घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं। उधर, बचाव और राहत अभियान जारी है। अधिकारी मृतकों की पहचान करने और उनके परिवारों को जानकारी देने का काम कर रहे हैं।

तेजस्वी का वादा हर घर में देंगे रोजगार

एजेंसी। वैशाली

वैशाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने रोजगार, अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर वर्तमान एनडीए सरकार को कड़े शब्दों में घेरा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर 20 महीने में 20 साल से अधिक काम करके दिखाया जाएगा। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों में वैश्य समाज पर हमले और हत्याएं बढ़ी हैं, लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पहले किसी शासनकाल में इतनी हिंसा नहीं हुई थी। तेजस्वी ने वादा किया कि उनकी सरकार आने पर सभी अपराधियों को जेल भेजा जाएगा और कानून का राज स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें दो बार बिहार का उपमुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उस दौरान उन्होंने काम करके यह साबित किया कि विकास करना संभव है। तेजस्वी ने याद दिलाया कि जब उन्होंने 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, तो उनके चाचा (नीतीश कुमार) ने इसे असंभव बताया था, लेकिन उन्होंने कम समय में करीब 5 लाख नौकरियां विभिन्न विभागों में दीं। तेजस्वी ने दोहराया कि जिस परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है, उस परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने वर्तमान सरकार की महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजने की योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि नौकरी का लाभ एक बार नहीं, बल्कि पूरे परिवार को आजीवन सुरक्षा देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बिना घूस के कोई काम नहीं होता, भ्रष्टाचार और अफसरशाही चरम पर है, लेकिन सरकार इस पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्षी नेताओं को फंसाकर जेल भेजती है।

दुलारचंद यादव हत्याकांड में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

मोकामा के दुलारचंद यादव हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना पुलिस ने पूर्व विधायक और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह को बाढ़ के कारगिल मार्केट से गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले उनके सरेंडर की संभावना जताई जा रही थी और इसी सूचना पर एसएसपी कार्तिकेय शर्मा की टीम उनके घर पहुंची थी. गिरफ्तारी के बाद पुलिस अपने साथ उन्हें पटना लेकर चली गई और रात में ही जेल में शिफ्ट कर दिया गया। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के नेतृत्व में करीब 150 पुलिसकर्मी जब उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो वे पहले से ही तैयार बैठे थे. पुलिस के पहुंचते ही वे उनके साथ सफेद स्कॉर्पियो पर बैठकर चलते बने.इस दौरान किसी समर्थक ने किसी प्रकार का कोई हल्ला हंगामा नहीं किया। इस हत्याकांड के बाद मृतक दुलारचंद यादव के पोते ने अनंत सिंह समेत 4 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करवायी थी. उसके बाद में जनसुराज के प्रत्याशी पियूष प्रियदर्शी ने 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर करवायी थी। वहीं, पुलिस ने अपनी जांच के आधार पर अलग से एक प्राथमिकी दर्ज की थी.बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह को आखिर गिरफ्तार कर लिया गया है।

अंतरिक्ष से समुद्री सीमा की होगी सख्त निगरानी

इसरो ने नौसेना के लिए एडवांस्ड सैटेलाइट जीसैट-7आर किया लॉन्च

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारतीय नौसेना के लिए जीसैट-7आर कम्युनिकेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह सैटेलाइट नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस्ड कम्युनिकेशन सैटेलाइट माना जा रहा है। जिससे भारत की स्पेस-बेस्ड कम्युनिकेशन और समुद्री क्षेत्र की निगरानी की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। यह सैटेलाइट पूरी तरह भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। जीसैट-7आर नौसेना के जहाजों, हवाई जहाजों, पनडुब्बियों और समुद्री ऑपरेशंस सेंटर्स के बीच तेज और सुरक्षित संचार स्थापित करेगा। करीब 4400 किलोग्राम वजनी यह सैटेलाइट भारत का अब तक का सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। इसमें कई स्वदेशी तकनीक से निर्मित उपकरण लगाए गए हैं, जो नौसेना की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इस सैटेलाइट को सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) के दूसरे लॉन्च पैड से लॉन्च किया गया। इसरो के वैज्ञानिकों ने इसे महीनों की मेहनत के बाद तैयार किया। बढ़ती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह लॉन्च बेहद अहम माना जा रहा है। चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की गतिविधियों के बीच हिंद महासागर में बढ़ते तनाव को देखते हुए यह सैटेलाइट नौसेना को अंतरिक्ष से निगरानी रखने और तुरंत कार्रवाई करने की क्षमता देगा। नौसेना प्रमुख ने इसे राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। जीसैट-7आर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 3 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

डुमरांव में जाम में फंसा डीएम-एसपी का काफिला, जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने दिखाई सक्रियता

■ स्टेशन रोड के जर्जर होने से हर समय लग रहा है जाम, चुनाव के ऐन टाइम प्रशासनिक उदसीनता से कभी हो सकता है बड़ा हादसा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के मुख्य पथ स्टेशन रोड में हर समय लगने वाले जाम का दंश रविवार को बक्सर डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह व एसपी शुभम आर्य के साथ ही पूरी प्रशासनिक टीम को झेलना पड़ा। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन की बेचैनी बढ़ गई। तत्काल थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस व चुनाव के मद्देनजर आए केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों द्वारा सड़क पर उतर जाम हटाया गया। इसके बाद ही डीएम-एसपी का काफिला जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुआ। दरअसल डीएम-एसपी रविवार को राज हाई स्कूल परिसर में बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण करने आए थे। यहां से लौटने के दौरान जैसे ही उनके वाहन राज हाई स्कूल से निकला कि जाम में फंस गया। हालांकि, इसकी जानकारी मिलते ही पलक झपकते स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई तथा थोड़ी देर में ही जाम हटा डीएम-एसपी को जिला मुख्यालय की ओर रवाना किया गया। बता दें कि डुमरांव का स्टेशन रोड काफी जर्जर हो चुका है तथा सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए है। वहीं, पिछले चार दिनों तक लगातार बारिश होने व बड़ी संख्या में बालू लदे ट्रकों के इस जर्जर पथ से गुजरने से स्थिति नासूर बन गई है। जिस कारण हर समय जाम लग रहा है। इस नजारा को देखने वाले लोगों का कहना है कि यदि वीआईपी मुवमेंट को छोड़ जाम में हर दिन फंस रहे आम नागरिकों के लिए भी यदि प्रशासन इसी तरह से तत्परता दिखाए तो जाम की नौबत ही नहीं आएगी।

अधूरा निर्माण व भारी वाहनों के गुजरने से जानलेवा बनी सड़क

बता दें कि स्टेशन रोड डुमरांव की मुख्य सड़क है, जो एनएच 120 को एनएच 922 से जोड़ती है। यह सड़क अनुमंडल के परिवहन की धूरी है, लेकिन पिछले एक साल से अधिक समय से जर्जर हो गई है। जानकारों का कहना है कि इस पथ पर हर दिन बालू लदे हजारों ट्रकों का परिचालन होता है, जिस कारण सड़क तेजी से टूट रही है। सड़क की जर्जर हालत तथा स्थानीये लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद कुछ महीना पहले ही एनएचएआई ने इस पथ के मरम्मतीकरण का काम शुरू किया था। तब टेढ़की पुल से पुराना भोजपुर तक की सड़क को एक महीने में बनाने की बात एनएचएआई द्वारा कही गई थी। पथ के मरम्मत के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा भारी वाहनों के लिए रूट चार्ट निर्धारित कर उन्हें शहर के बजाय दूसरे रूट से ले जाने का निर्देश जारी किया गया था। इसी दौरान दशहरा मेला से पहले व्यवसायियों की मांग पर निर्माण कार्य को रोक दिया गया था। तब कहा गया था कि दशहरा मेला के बाद निर्माण प्रकिया शुरू की जाएगी, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। इधर भारी वाहनों का परिचालन भी इस पथ पर शुरू हो गया है। जिस कारण पहले से जर्जर सड़क अब जानलेवा बन गई है। विस चुनाव के दौरान इस पथ की बदहाली, सड़क पर उभरे गड्ढे, जलजमाव तथा वाहनों के दुर्घटना ग्रस्त होने का मुद्दा भी बनाया जा रहा है, बावजूद निर्माण कार्य शुरू शुरू नहीं हो सका है।

डेंजर जोन बना महरौरा मोड़

वैसे तो लालगंज कड़वी से लेकर लंगटू महादेव मंदिर तक सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है, लेकिन महरौरा मोड़ के समीप सबसे खराब स्थिति है। यहां सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो गई है तथा बारिश के बाद कीचड़ व जलजमाव से वाहन चालकों के लिए खतरनाक बन गई है। अब देखना है कि डीएम-एसपी का काफिला फंसने के बाद क्या स्थानीय प्रशासन द्वारा चुनाव से पहले सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराया जा रहा है या फिर अभी लोगों को खतरों का खिलाड़ी बन ही इस पथ से आवाजाही करनी पड़ेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी मतदान कराना सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

डुमरांव विधानसभा के डिस्पैच सेंटर का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के डिस्पैच केंद्र का निरीक्षण रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ विद्यानंद सिंह व पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, वरीय उप विकास आयुक्त तथा आरओ सह एसडीएम डुमरांव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। आगामी 6 नवम्बर को होने वाले मतदान की तैयारी को लेकर अधिकारियों ने संपूर्ण व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान सामग्री प्रबंधन, लॉजिस्टिक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती, वाहनों की उपलब्धता तथा डिस्पैच मार्ग योजना (रूट प्लान) की विस्तृत जानकारी ली गई। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब मतदान में मात्र कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि डिस्पैच केंद्र में पूर्ण अनुशासन, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मतदान से पूर्व के अंतिम 72 घंटे को अत्यंत संवेदनशील अवधि माना गया है, इस दौरान चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए।

केंद्र परिसर में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि क्विक रिस्पॉन्स टीम, स्थिर निगरानी दल, उड़नदस्ता दल तथा विशेष जांच दल पूर्णतः सतर्क मोड में रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि शराब, नगद, वस्तु वितरण या किसी भी प्रकार के प्रलोभन पर सख्त निगरानी रखी जाए। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर निरंतर पुलिस निगरानी व शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अधिकारियों ने कहा कि भयमुक्त, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी मतदान कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया कि जिले में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान ह्लवोट करेगा बक्सर 6 नवम्बरह्व को आगामी 72 घंटों में अधिकतम प्रभाव के साथ धरातल पर उतारा जाए, ताकि मतदान प्रतिशत में व्यापक वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

युवाओं ने संभाली जिम्मेदारी, चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतदान तिथि 6 नवंबर जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राजनीतिक गतिविधियां और तैयारियां अपने चरम पर पहुंच गई हैं। एक ओर जहां प्रशासन चुनाव की तैयारियों में पूरी तन्मयता से जुटा है, वहीं प्रत्याशी भी मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, पहली बार मतदान सूची में शामिल युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में नगर में स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय के नेतृत्व में युवाओं ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान जंगल बाजार, चतुरशाल गंज, नोनिया डेरा और महरौरा सहित कई स्थानों पर आयोजित किया गया। अजय राय ने लोगों से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने वोट की ताकत से मजबूत बिहार के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने नारा दिया कि वोट करें, देश गढ़े, साथ ही युवाओं को यह संदेश दिया कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में मतदान करना केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। अभियान में पवन केशरी, अरविंद केशरी, शशि कुमार, बहादुर जी, जय राम चौधरी, लड्डू चौधरी और मुन्ना सिंह सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल रहे। पूरे नगर में युवाओं की इस पहल की सराहना की जा रही है, जिसने मतदाता जागरूकता को नया जनांदोलन का रूप दे दिया है।

तेजस्वी यादव आज दो जनसभाओं से भरेंगे चुनावी हुंकार

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर आज सोमवार को बक्सर जिले की राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विपक्ष के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव आज जिले के दो प्रमुख स्थलों बक्सर सदर विधान सभा क्षेत्र के कुल्हड़ियां और ब्रह्मपुर विस क्षेत्र के ब्रह्मपुर में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन जनसभाओं को राजद की रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि बक्सर और आसपास के क्षेत्र पार्टी का परंपरागत वोटबैंक माने जाते हैं। तेजस्वी यादव का पहला कार्यक्रम सुबह 10:05 बजे बक्सर प्रखंड के कुल्हड़ियां में तय है। इसके बाद वे सीधे ब्रह्मपुर प्रखंड के हाई स्कूल खेल मैदान में पहुंचेंगे, जहां सुबह 10:35 बजे दूसरी सभा को संबोधित करेंगे। दोनों ही जगहों पर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय राजद नेताओं के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग जनसभा में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे पार्टी की चुनावी रफ्तार को नया जोश मिलने की उम्मीद है। इस बीच प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, दोनों जनसभा स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और यातायात नियंत्रण के लिए विशेष योजना लागू की गई है ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। तेजस्वी यादव का बक्सर दौरा पूरा होने के बाद वे सुबह 11:50 बजे ब्रह्मपुर से हवाई मार्ग द्वारा भोजपुर जिले के जगदीशपुर के लिए रवाना होंगे, जहां तीसरी जनसभा को संबोधित करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बक्सर में तेजस्वी यादव की ये सभाएं न केवल राजद कार्यकर्ताओं को ऊर्जा देंगी, बल्कि इस क्षेत्र में विपक्ष के चुनावी समीकरणों को भी नई दिशा दे सकती हैं।

बक्सर में महागठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में डॉ. मनोज पांडेय ने किया जनसंपर्क

■ कहा बक्सर की चारों सीटों पर महागठबंधन की जीत तय, तेजस्वी यादव बनेंगे मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर महागठबंधन प्रत्याशी संजय कुमार (मुन्ना) तिवारी के समर्थन में जनसंपर्क अभियान ने बक्सर में रफ्तार पकड़ ली है। रविवार को बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने साहोपारा बालापुर, शेरपुर और बेलाउर सहित कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बैंड-बाजे और फूलमालाओं से डॉ. पांडेय और महागठबंधन प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

गांव-गांव में उमड़े जनसमूह और कार्यकताओं के उत्साह से माहौल चुनावी रंग में रंगा दिखा। जगह-जगह पर जनता ने महागठबंधन के पक्ष में नारे लगाए और संजय तिवारी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि बक्सर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर इस बार महागठबंधन की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब परिवर्तन चाहती है और महागठबंधन के नेतृत्व पर भरोसा कर रही है। ह्लतेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर विकास, सम्मान और स्वाभिमान की राजनीति को बल मिलेगा,ह्व उन्होंने कहा।

डॉ. पांडेय ने यह भी कहा कि संजय कुमार (मुन्ना) तिवारी बक्सर के लोगों की उम्मीदों के सच्चे प्रतिनिधि हैं और जनता उन्हें प्रचंड बहुमत से विधानसभा भेजेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बक्सर का जनादेश महागठबंधन के पक्ष में होगा और तेजस्वी यादव पुनः बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा, अभय मिश्रा, रोहित उपाध्याय, संजय कुमार पांडे, त्रिजोगी मिश्रा, राजू यादव, अजय यादव, रूनी देवी, कुमकुम देवी, निर्मला देवी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में महागठबंधन समर्थकों में जबरदस्त जोश और एकजुटता का प्रदर्शन देखने को मिला।

डुमरांव के आदर्श बने प्रेरणा के प्रतीक, कठिन परिश्रम से बने सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर

- **ऑनलाइन अध्ययन और आत्मविश्वास के बल पर हासिल की बड़ी सफलता, बिना कोचिंग के एसएससी सीपीओ परीक्षा में 943वां रैंक**

केटी न्यूज/डुमरांव

कहते हैं कि जिनके इरादे मजबूत होते हैं, उन्हें मंजिलें खुद रास्ता दिखाती हैं। डुमरांव के फूलचंद कानू रोड, वार्ड नंबर 33 निवासी आदर्श कुमार ने इस बात को सच कर दिखाया है। बेहद सामान्य परिवार से आने वाले आदर्श ने सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। आदर्श ने एसएससी सीपीओ 2024 परीक्षा में 943वां रैंक हासिल किया है। इस सफलता के पीछे उनकी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की कहानी हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो सीमित साधनों में बड़ा सपना देखता है। आदर्श के पिता संतोष कुमार घर में एक छोटी किराने की दुकान चलाते हैं, जबकि मां पुष्पा देवी स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रही, लेकिन माता-पिता ने कभी बेटे के सपनों को छोटा नहीं होने दिया। दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे आदर्श बचपन से ही पढ़ाई में तेज रहे। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा सीपीएसएस स्कूल, डुमरांव से और इंटरमीडिएट की पढ़ाई डी.के. कॉलेज से पूरी की। बड़े शहरों या महंगी कोचिंग संस्थाओं में पढ़ने के बजाय आदर्श ने ऑनलाइन माध्यमों और यूट्यूब चैनलों से पढ़ाई की। वे रोजाना तय समय पर स्व अध्ययन करते थे और कभी आत्मविश्वास नहीं खोया। आदर्श का कहना है कि अगर मन में लक्ष्य साफ हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो सफलता जरूर मिलती है। संसाधनों की कमी सिर्फ बहाना है, रुकावट नहीं।

परिवार में खुशी और गर्व का माहौल

आदर्श की सफलता की खबर मिलते ही फूलचंद कानू रोड का माहौल जश्न में बदल गया। पड़ोसी, रिश्तेदार और शिक्षक सभी उनके परिवार को बधाइयां दे रहे हैं। मां पुष्पा देवी की आंखें भावनाओं से भर आईं। उन्होंने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारा बेटा इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करेगा। उसने पूरे परिवार को गर्व महसूस कराया है। वहीं पिता संतोष कुमार ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें हमेशा विश्वास था कि आदर्श कुछ बड़ा करेंगे। आदर्श ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के साथ-साथ दादी लालमुनि देवी, शिक्षक मनोज कुमार, और अपने दोस्तों चुन्नू पांडेय, सत्यम कुमार, तुषार कुमार, अभिषेक कुमार व पुनीत कुमार को दिया है, जिन्होंने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। आदर्श एक दिसंबर को हैदराबाद में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर पर योगदान करेंगे। वे कहते हैं कि वे न केवल देश की सुरक्षा में योगदान देना चाहते हैं, बल्कि युवाओं को भी यह संदेश देना चाहते हैं कि कोई भी सपना असंभव नहीं, अगर मेहनत निरंतर और नीयत साफ हो। डुमरांव के लोग आदर्श को नई पीढ़ी का रोल मॉडल बता रहे हैं। मोहल्ले के बुजुर्गों का कहना है कि आदर्श ने यह साबित किया है कि बड़े शहरों या कोचिंग संस्थानों की चमक-दमक के बिना भी सफलता हासिल की जा सकती है। आदर्श की कहानी यह संदेश देती है कि सपने देखने का हक हर किसी को है, और अगर उन सपनों को पूरा करने का साहस हो, तो सीमाएं मायने नहीं रखतीं। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए उम्मीद और हौसले की मिसाल बन गई है।

एक नजर

डॉ. अजीत कुमार सिंह ने केसठ में किया जनसंपर्क, बोले जनता के विश्वास से और मजबूत हुआ विकास का संकल्प

डुमरांव। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, डुमरांव में राजनीतिक गतिविधियां तेज होती जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को डुमरांव के विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने केसठ गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। जनता से संवाद के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि डुमरांव की जनता का समर्थन और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में विकास की रफ्तार को नई दिशा देने का प्रयास किया गया है, चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों में लैब और पुस्तकालयों की पुनर्स्थापना हो या ग्रामीण सड़कों और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार। विधायक ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने याद दिलाया कि जब गरीबों और भूमिहीनों के घरों को उजाड़ने की कोशिश हुई थी, तब उन्होंने खुलकर विरोध किया और प्रशासनिक अन्याय के खिलाफ डटकर खड़े हुए। उन्होंने कहा कि गरीबों की आवाज उठाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना उनकी राजनीति की पहचान रही है। डॉ. सिंह ने बताया कि विधानसभा में उनकी उपस्थिति 99 प्रतिशत रही है, जिससे उन्हें हर मुद्दे पर जनता की बात मजबूती से रखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि विकास, न्याय और समानता की यह लड़ाई जनता के सहयोग से आगे भी जारी रहेगी। जनसंपर्क कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। लोगों ने डॉ. सिंह के प्रति अपना अटूट विश्वास जताते हुए आगामी चुनाव में उन्हें दोबारा विजयी बनाने का संकल्प लिया।

महिलाओं ने संभाली चुनावी कमान, घर-घर जाकर बढ़ाया राहुल सिंह के समर्थन का जनसैलाब

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा चुनाव में इस बार महिलाओं ने प्रचार की कमान अपने हाथों में ले ली है। एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में महिला विंग की टीम रविवार को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरी। जिलाध्यक्ष प्रीति पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं का दल अमथुआ, रेहिया, टूड़ीगंज समेत कई गांवों में पहुंचा, जहां उन्होंने बैठकों के साथ-साथ घर-घर जाकर लोगों से जनसंपर्क किया। महिलाओं ने ग्रामीणों से अपील की कि राहुल सिंह एक शिक्षित और विकासोन्मुख चेहरा हैं, जिनकी जीत डुमरांव की तरक्की की जीत होगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार की योजनाएं हर घर तक पहुंचेंगी, इसके लिए राहुल सिंह का जीतना जरूरी है। प्रचार के दौरान महिलाओं ने स्थानीय भाषा और भावनाओं से लोगों को जोड़ा, जिससे माहौल काफी उत्साहपूर्ण रहा। महिला कार्यकताओं ने कहा कि आज महिलाएं राजनीति में पीछे नहीं हैं, वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास की राह दिखाना चाहती हैं। जगह-जगह लगी बैठकों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। गांवों में घूमते हुए उन्होंने तीर छाप पर मोहर लगाने की अपील की और लोगों से कहा कि अबकी बार डुमरांव में विकास की नई कहानी लिखनी है। गांवों की गलियों से लेकर चौपालों तक गूंजते नारों ने रविवार का दिन चुनावी रंग में रंग दिया। महिलाओं के इस जोश और एकजुटता ने एनडीए प्रत्याशी के प्रचार को नया आयाम दे दिया है। लोग कह रहे हैं कि इस बार डुमरांव में महिलाओं की भागीदारी तय करेगी जीत की दिशा।

माइक्रो ऑब्जर्वर प्रशिक्षण का किया गया निरीक्षण
निर्वाचन की निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर दिया गया बल

- **डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में सामान्य प्रेक्षक श्रीमती एन. के. गुंडे ने लिया प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा**

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर जिले में निर्वाचन से जुड़ी तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में रविवार को विधानसभा क्षेत्र 201, डुमरांव में सामान्य प्रेक्षक एन. के. गुंडे ने माइक्रो ऑब्जर्वरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। यह प्रशिक्षण एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में आयोजित किया गया, जिसमें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के सभी माइक्रो ऑब्जर्वर उपस्थित रहे।

जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण सत्र का संचालन निर्वाचन विभाग के मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया। इस दौरान माइक्रो ऑब्जर्वरों को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देश, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और मतदान दिवस की विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बूथ स्तर पर निष्पक्ष मतदान की निगरानी, रिपोर्टिंग प्रणाली, मशीनों की कार्यप्रणाली, आचार संहिता के अनुपालन तथा संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों पर विशेष सतर्कता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

मास्टर ट्रेनर ने बताया कि माइक्रो ऑब्जर्वर चुनाव प्रक्रिया के सबसे अहम कड़ी होते हैं, जिनकी भूमिका मतदान की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने, रिपोर्ट तैयार करने और रियल टाइम रिपोर्टिंग की प्रक्रिया पर विशेष बल दिया गया।

निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक श्रीमती एन. के. गुंडे ने प्रशिक्षण स्थल का जायजा लिया और उपस्थित माइक्रो ऑब्जर्वरों से बातचीत की। उन्होंने प्रशिक्षण प्रक्रिया की गुणवत्ता, उपस्थिति तथा तैयारियों की समीक्षा की और कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निदेशों का पालन करते हुए सभी अधिकारी मतदान दिवस पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता चुनाव की निष्पक्षता में निहित है, और इसमें माइक्रो ऑब्जर्वरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सामान्य प्रेक्षक ने सभी प्रतिभागियों को मतदान प्रक्रिया की शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप कार्य कर ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी माइक्रो ऑब्जर्वरों ने निष्पक्ष एवं निर्भीक रूप से अपना दायित्व निभाने का संकल्प लिया।

मनोज तिवारी के रोड शो में बवाल: नारेबाजी और हंगामे के बाद 11 नामजद, 6 गिरफ्तार

कृष्णब्रहम। डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में शनिवार की शाम भोजपुरी सुपरस्टार व भाजपा सांसद मनोज तिवारी के रोड शो के दौरान बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। घटना कृष्णब्रहम थाना क्षेत्र के अरियाव ब्रह्म स्थान के पास की है, जहां सांसद के काफिले के गुजरते समय कुछ युवकों ने राजद के झंडे लहराते हुए ह्वबीजेपी मुदार्बाद, आरजेडी जिंदाबादह्व के नारे लगाने शुरू कर दिए। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और रोड शो में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और भीड़ को तितर-बितर किया। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद मनोज तिवारी का काफिला आगे बढ़ सका। घटना को लेकर मनरेगा तकनीकी सहायक धनजी सिंह ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें 11 नामजद और 15 से 20 अज्ञात लोगों को आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर छह आरोपितों सोनू कुमार, सुमन कुमार, गोरख यादव, रोहित कुमार, अरुण यादव और मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष संजीत कुमार राम ने बताया कि घटना में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

डुमरांव में राहुल सिंह की जीत सुनिश्चित, एनडीए के प्रति जनता में है जबदस्त उत्साह : शक्ति राय

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में इस बार एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह की जीत सुनिश्चित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के डबल इंजन की सरकार के विकास कार्यों से डुमरांव की जनता काफी खुश है। ये बातें रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय ने कही। उन्होंने कहा कि वे राहुल सिंह के समर्थन में पूरे विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर एनडीए के पक्ष में वोट मांगे है। उन्होंने कहा कि वे जहां भी गए लोगों ने मुख्यमंत्री की सोंच, उनके विकास कार्यों तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की सोंच पर लोगों का एनडीए के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस बार डुमरांव सहित जिले सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए प्रत्याशियों की जीत निश्चित है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल इस चुनाव में एकजुट है, जबकि विपक्षी चुनाव पहले से ही चारों खाने चित गिरे है। उन्होंने कहा कि इस बार डुमरांव की जनता पिछली गलती को दुहराने नहीं जा रही है। शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी एनडीए के पक्ष में जबदस्त लहर चल रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने डुमरांव प्रत्याशी राहुल सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वे पढ़े लिखे तथा सुलझे इंसान है। उनके पास डुमरांव के विकास का रोड मैप तैयार है। चुनाव जीतते ही वे डुमरांव विधानसभा को बिहार को मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाने की कवायद शुरू कर देंगे। शक्ति ने कहा कि डुमरांव की धरती शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों की धरती है, यहां के लोग इस बार लाल व हरी गुलामी को छोड़ वंदे मातरम बोलेंगे।

डुमरांव की जनता से मिल रहे प्यार दुलार से अभिभूत हूं : राहुल सिंह

केटी न्यूज/डुमरांव

वहीं, जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने कहा कि वे डुमरांव की जनता से मिल रहे प्यार व दुलार से अभिभूत है। उन्होंने कहा कि मैं यहां सिर्फ चुनाव लड़ने ही नहीं आया हूं, बल्कि खूंटा गाड़ यही रहूंगा। राहुल ने कहा कि इस बार डुमरांव की जनता उन्हें भरपूर आशीर्वाद दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले विधायक के कार्यकाल को देख डुमरांव की जनता को यह विश्वास हो गया है कि एनडीए के नेतृत्व में ही डुमरांव का असली विकास होगा। जदयू प्रत्याशी ने निवर्तमान विधायक पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपने रिपोर्ट कार्ड में डुमरांव विस क्षेत्र के 114 सड़कों की स्वीकृति दिलाने का दावा करते है। स्टेशन रोड के निर्माण का दावा करते हुए सड़क पर खड़े हो तस्वीर भी खिचवाएं है, लेकिन यहां के परिवहन की लाईफ लाइन माने जाने वाली स्टेशन रोड की सड़क आज जानलेवा बनी हुई है। इस सड़क पर इतने गड्ढे है कि पता ही नहीं चलता है कि यहां सड़क में गड्ढा है कि गड्ढें में सड़क। उन्होंने कहा कि हर दिन इस पथ पर जूझने वाली डुमरांव की जनता इस बार बड़बोले विधायक को सबक सीखा उन्हें दुबारा जगदीशपुर भेजेगी। राहुल ने कहा कि मै बचपन में डुमरांव में रहा हूं और अब तो आजीवन डुमरांव का बनकर रहना चाहता हूं। रविवार को भी जदयू प्रत्याशी ने विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का भ्रमण कर लोगों से आशीर्वाद मांगा।

पूर्व सैनिकों का सम्मान और सेवा का प्रतीक बनी आईईएसएम डुमरांव की मासिक बैठक

- **नि:शुल्क भरा गया 50 पूर्व सैनिकों व वीरांगनाओं का जीवन प्रमाण पत्र**

केटी न्यूज/डुमरांव

इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट (आईईएसएम) डुमरांव अनुमंडल की मासिक बैठक रविवार को जयपुरिया स्कूल परिसर में अनुमंडल अध्यक्ष सूबेदार कमलेश्वर राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन उपाध्यक्ष सूबेदार जयेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर जिले भर से सैकड़ों पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में बक्सर जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्यासागर चौबे, महासचिव कैप्टन श्रीनिवास सिंह, कोषाध्यक्ष सूबेदार आर. बी. सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान लगभग 50 पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं का जीवन प्रमाण पत्र निशुल्क भरा गया, जिसके लिए पांच अलग-अलग काउंटर लगाए गए थे। बैठक में सैनिकों के कल्याण से जुड़ी कई योजनाओं और सुविधाओं पर विशेष चर्चा की गई। अध्यक्ष सूबेदार कमलेश्वर राय ने कहा कि सभी सैनिक एकता बनाए रखें और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्यासागर चौबे ने ह्वसदस्यता जागरूकता अभियानह्व को युद्धस्तर पर चलाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सैनिक कम से कम पांच पूर्व सैनिकों को संगठन से जोड़े। साथ ही जिनके ईसीएचएस कार्ड अब तक नहीं बने हैं, वे शीघ्र बनवाएं। बैठक में उपस्थित डुमरांव के अधिकारियों ने भी सैनिकों की समस्याओं पर अपने विचार रखे। कई सैनिकों ने अपनी पेंशन संबंधी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनका निपटारा शीघ्र करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर जनरल सतवीर सिंह (सेना मेडल) तथा पीसीडीए कार्यालय के अधिकारियों, विशेषकर मनोज सिंह की कार्यशैली की भरपूर सराहना की गई। उनके सम्मान में जयघोष से पूरा सभागार गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में बक्सर से आए अधिकारियों एवं नए सदस्यता ग्रहण करने वाले सैनिकों को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। अंत में चौसा प्रखंड अध्यक्ष स्वर्गीय सूबेदार हरिवंश सिंह यादव के प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। सूबेदार हरिवंश सिंह यादव अमर रहें के नारों से वातावरण गूंज उठा। बैठक के अंत में सभापति सूबेदार मेजर जोगेंद्र सिंह ने बैठक समाप्ति की घोषणा की। कार्यक्रम में हवलदार गजेंद्र तिवारी, फ्लाइंग ऑफिसर सतीश सिंह, सूबेदार दीनानाथ यादव, पेटी ऑफिसर सुरेंद्र सिंह, नायब सूबेदार एस. के. पांडेय, नायक श्रीकांत मिश्रा, सर्जेंट बबन ओझा, वीरांगना सुशीला देवी, कलावती देवी, माया देवी सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

जगदीशपुर विधानसभा में एनडीए के साथ जदयू नेत्री ने तेज किया जनसंपर्क अभियान

- **अरुणा देवी ने बोला..बिहार है तैयार फिर से एनडीए के नेतृत्व में बनेगी नीतीश सरकार**

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए कार्यकताओं ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए जदयू राज्य परिषद सदस्य सह बिहार प्रदेश चुनाव अभियान समिति सदस्य एवं तरारी विधानसभा प्रभारी नेत्री अरुणा देवी ने जगदीशपुर विधानसभा में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी श्रीभगवान कुशवाहा के पक्ष में दर्जनों गांवों में सैकड़ों लोगों के बीच जनसंपर्क किया। अभियान चलाते हुए नेत्री अरुणा देवी ने जनता से रूबरू होते हुए बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार के विकास कार्य के उपलब्धियों को गिना पुनः उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के बिहार वासियों से अपील की। एनडीए कार्यकताओं ने जदयू नेत्री के नेतृत्व में जगदीशपुर विधानसभा में जदयू प्रत्याशी श्रीभगवान कुशवाहा के समर्थन में घर-घर जाकर और गांवों में जनसभाएं कर-के जनता से उनके जीत के समर्थन वोट मांग रहे हैं। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों और सामाजिक सद्भावना के संदेश को लोगों तक पहुंचा रहे हैं। बिहार प्रदेश चुनाव अभियान समिति सदस्य अरुणा देवी ने एनडीए कार्यकताओं के साथ एक स्वर में निर्देशित करते हुए कहा है कि इस बार बिहार के सभी 243 सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की शत-प्रतिशत जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकताओं को पूरे दम खम के साथ एड़ी-चोटी एक करने का समय आ गया है। जो एनडीए कार्यकताओं के एकजुटता को देख विपक्षी दलों के भी होश उड़ते नजर आ रहें है। अवसर जदयू जिलाध्यक्ष संजय सिंह, वरिष्ठ नेत्री संगीता सिंह,संदीप सम्राट सहित सैकड़ों एनडीए कार्यकताओं ने अभियान में शामिल थें।

सेंट्रल फोर्स और पुलिस के दो हजार से ज्यादा जवानों ने मोकामा को घेरा
बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 29 गिरफ्तार, 80 लोग हिरासत में

केटी न्यूज/रोहतास

मोकामा के खोसलही हनकसार इलाके में हुए बहुचर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में बिहार पुलिस बड़ी कार्रवाई कर रही है. शनिवार की देर रात अनंत सिंह और उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने बाढ़ से लेकर मोकामा तक के इलाके की घेराबंदी कर दी है. सेंट्रल पारा मिलिट्री फोर्स के साथ साथ बिहार पुलिस के 2 हजार से ज्यादा जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया है. बिहार पुलिस मुख्यालय के मुताबिक इस मामले की जांच उक्छ्र रळ्ऋ और पटना ग्रामीण पुलिस की संयुक्त टीम कर रही है, जो ताबड़तोड़ छापेमारी करने में लगी है. पुलिस ने 29 लोगों को गिरफ्तार करने के साथ 80 से अधिक संदिग्धों को उठाया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। बिहार पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक मोकामा इलाके में चप्पे-चप्पे पर सेंट्रल पारा मिलिट्री फोर्स और बिहार पुलिस की तैनाती कर दी गयी है. उस इलाके में सेंट्रल फोर्स की 13 कंपनियों की तैनाती की गयी है. एक कंपनी में करीब सवा सौ जवान होते हैं. यानि 1600 से ज्यादा तो सेंट्रल फोर्स के जवान मोकामा में तैनात हैं. इसके अलावा बड़ी संख्या में बिहार पुलिस की टीम भी तैनात की गयी है. बिहार पुलिस के एसटीएफ की दो यूनिट मोकामा में तैनात की गयी है. वहीं, पटना पुलिस के क्विक रेस्पांस टीम की 4 टीम वहां मौजूद है. कुल मिलाकर दो हजार से ज्यादा जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है. बिहार पुलिस मुख्यालय ने पटना ग्रामीण एसपी के साथ एक दर्जन से ज्यादा डीएसपी रैंक के अधिकारियों को मोकामा भेजा है. उनके नेतृत्व में लगातार छापेमारी की जा रही है. बिहार पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक 30 अक्टूबर को हुए भिड़ंत के दौरान रोड़ेबाजी के आरोप में भदौर थाना क्षेत्र के 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दुलारचंद यादव की शव यात्रा के दौरान तोड़-फोड़ और उपद्रव करने के आरोप में 25 लोगों को बाढ़ अनुमंडल के थानों की पुलिस ने गिरफ्तार किया है. यानि अब तक कुल 29 गिरफ्तारी की गयी है. वहीं, 80 से ज्यादा संदिग्धों को भी उठाया गया है, जिनसे गहन पूछताछ की जा रही है. बिहार पुलिस ने कहा है कि घटना के संबंध में ढेर सारे वीडियो फुटेज मिले हैं. सारे वीडियो फुटेज की पड़ताल की जा रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है. पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि अगर उनके पास घटना के संबंध में कोई वीडियो फुटेज हो तो उसे पुलिस को उपलब्ध करायें. बिहार पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को दोपहर साढ़े तीन बडे मोकामा के घोसबरी और भदौर थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान अनंत सिंह और पीयूष प्रियदर्शी के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई. घटना में अनंत सिंह समर्थकों की 10-12 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई तो पीयूष प्रियदर्शी समर्थकों की तीन गाड़ियों को क्षति पहुंची. इस घटना में दुलारचंद यादव की मौत हो गई।

अनंत सिंह समर्थकों को पहुंची ज्यादा क्षति

पुलिस की जांच में पाया गया है कि 30 अक्टूबर को हुई हिंसक झड़प में भले ही दुलारचंद यादव की मौत हो गयी लेकिन अनंत सिंह समर्थकों को ज्यादा क्षति पहुंची. अनंत सिंह समर्थकों की लगभग एक दर्जन गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया. अनंत सिंह के एक दर्जन से ज्यादा समर्थक घायल हुए. जबकि पीयूष प्रियदर्शी की ओर से दुलारचंद यादव की मौत हुई. इस मामले में पुलिस ने मृतक दुलारचंद यादव के परिजनों की शिकायत पर अनंत सिंह समेत 5 नामजद अभियुक्तों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. वहीं, अनंत सिंह समर्थकों की ओर से पीयूष प्रियदर्शी समेत 6 नामजद अभियुक्तों और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गई है. भदौर और पंडारक थाने की पुलिस ने अपनी ओर से भी घटना को लेकर अलग अलग प्राथमिकी दर्ज की है. अनंत सिंह और पीयूष प्रियदर्शी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का भी मामला दर्ज किया गया है।

साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी का मना 13 वां स्थापना दिवस

केटी न्यूज/रोहतास

विद्युत आपूर्ति अंचल सासाराम के प्रांगण मे विद्युत विभाग का 13 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता सहायक विद्युत अभियंता सासाराम (शहरी) रंजन कुमार व मंच संचालन आदिल खान ने की। विद्युत अधीक्षण अभियंता सासाराम इंद्रदेव कुमार के द्वारा अपने सम्बोधन मे बताया गया की बिहार राज्य विद्युत बोर्ड से कंपनी एक्ट के तहत पाँच इकाईयों में गठन नवम्बर 2012 को की गयी थी, जिसके उपलक्ष में हम सभी प्रत्येक वर्ष 01 नवम्बर को कंपनी का स्थापना दिवस के रूप में मनाते हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की विद्युत विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के अथक प्रयास से निर्वाध रूप से विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही है जिसके फलाफल से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 20 से 22 घंटे एवं शहरी क्षेत्रों में 23 से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हो रही है। लो-वॉल्टेज की समस्या से निबटने के लिए उच्च क्षमता वाले ट्रान्सफॉर्मर लगाया गया है जिससे की उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का समस्या न हो सके। इनके अलावा स्थापना दिवस के मौके पर विद्युत कार्यपालक अभियंता डेहरी संतोष कुमार, सहायक विद्युत अभियंता परियोजना उत्तम कुमार, सहायक अभियंता सासाराम ग्रामीण उज्जवल कुमार, सहायक विद्युत अभियंता (राजस्व) समरजीत कुमार व विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम एवं डेहरी के समस्त कनीय अभियंतागण व कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

अंजबित सिंह महाविद्यालय में एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

केटी न्यूज/रोहतास

इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों में नवाचार,शोध और विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित होते हैं । ये बातें अंजबित सिंह महाविद्यालय में इंटर्नशिप के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में नोडल पदाधिकारी डॉ कन्हैया सिंह ने कही । कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओम प्रकाश राम ने किया । इस अवसर पर प्रो राम ने कहा कि इंटर्नशिप पाठयक्रम का हिस्सा है । सभी छात्रों को इसे ईमानदारी से करना चाहिए,ताकि आप कुछ सीख सकें । कार्यशाला में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष और शिक्षक शामिल हुए । चार वर्षीय सीबीसीएस कोर्स के पांचवां सेमेस्टर में सौ अंकों का इंटर्नशिप सभी छात्रों को करना अनिवार्य है । इसके लिए उन्हें भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशीप करना है । इसके लिए महाविद्यालय द्वारा विभिन्न गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए कई संस्थाओं से समझौता करना होगा । नोडल पदाधिकारी द्वारा इंटर्नशिप के विभिन्न पहलुओं को बारीकी से समझाया गया । प्रश्न काल में सभी प्रश्नों का उतर दिया गया । इसके बाद सभी विभागों के विभागाध्यक्ष द्वारा अपने विभाग के सभी छात्रों को इसके बारे में बतलाया जाएगा । कार्यशाला का संचालन परीक्षा नियंत्रक डॉ अनिल कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अखलाख अहमद ने की ।

मुकेश सहनी संग मछली पकड़ने राहुल ने तालाब में लगाई छलांग, जमकर नहाया

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय में कांग्रेस प्रत्याशी अमिता भूषण के चुनाव प्रचार में पहुंचे राहुल गांधी की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। उन्होंने सोना चिमनी ग्राउंड में सभा को संबोधित किया। फिर राहुल गांधी पोखर में मछली पालन देखने निकल गए। राहुल गांधी ने नौकायन किया। फिर युवाओं के साथ मछली पकड़ते हुए पोखर में कूद गए। विकासशील इसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ उन्होंने मछलियां पकड़ीं और तैराकी भी की।राहुल गांधी का यह रूप देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों में उत्साह की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें तालाब में उतरकर जाल डालते और मछलियां पकड़ते देखा। राहुल गांधी को अपने बीच पाकर वहां के लोग काफी उत्साहित नजर आए। मछुआरों ने राहुल गांधी के समक्ष अपनी समस्याओं को खुलकर रखा जिसमें तालाबों के आवंटन में हो रही गड़बड़ी, मत्स्य पालन के लिए अनुदान की कमी और लीन सीजन में रोजगार ठप हो जाने जैसी बातें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। राहुल गांधी ने इस मौके पर मछुआरा समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की और कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद मछुआरों के जीवन में ठोस बदलाव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लीन सीजन यानी जून, जुलाई और अगस्त के दौरान मछुआरों को प्रति माह 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी, ताकि इन महीनों में उनके परिवारों को दिक्कत न हो सके। इसके अलावा, सभी मछुआरों को ह्यनिषाद सुरक्षा कार्डह्ल और 5 लाख रुपये तक का बीमा कवर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

मछुआरों ने सुनाई अपनी समस्या

मछुआरों ने राहुल गांधी के समक्ष अपनी समस्याओं को खुलकर रखा जिसमें तालाबों के आवंटन में हो रही गड़बड़ी, मत्स्य पालन के लिए अनुदान की कमी और लीन सीजन में रोजगार ठप हो जाने जैसी बातें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। राहुल गांधी ने इस मौके पर मछुआरा समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की और कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद मछुआरों के जीवन में ठोस बदलाव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लीन सीजन यानी जून, जुलाई और अगस्त के दौरान मछुआरों को प्रति माह 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी, ताकि इन महीनों में उनके परिवारों को दिक्कत न हो सके।

कराकाट पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट पुलिस ने वारंटी मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर की गई।

थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी मनोज गोस्वामी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय देवानंद गिरी का पुत्र है। मनोज गोस्वामी कई दिनों से फरार चल रहा था और छापेमारी के दौरान उसे उसके घर से पकड़ा गया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके।

चुनाव को देखते हुए, पुलिस ने बचे हुए अपराधियों पर भी लगातार छापेमारी करने की बात कही। क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त तेज कर दी गई है, जिससे सुरक्षा का माहौल बना है।

एक नजर

कर्मडीह गांव के उत्तर सड़क किनारे पानी में एक 63 वर्षीय वृद्ध का शव हुआ बरामद

डिहरी ऑन सोन । रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र से रविवार की सुबह एक 63 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति का शव पानी से पुलिस ने बरामद किया है। जिससे पोस्टमार्टम हेतु भेज दी गई है। पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार के अनुसार नौहट्टा थाना को रविवार की सुबह सूचना प्राप्त हुई कि कर्मडीह गांव के उत्तर सड़क किनारे पानी में एक 63 वर्षीय वृद्ध का शव देखा जा रहा है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष नौहट्टा अपने बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहाँ पहुँचने पर ज्ञात हुआ कि स्थानीय ग्रामीण एवं मृतक के परिजनों द्वारा शव को पानी से निकालकर सड़क पर रखा गया है। मृतक की पहचान वीर कमलेश सिंह, उम्र-63 वर्ष, पे०-स्व० टीपा सिंह, सा०-टीपा, थाना-नौहटा, जिला-रोहतास के रूप में की गयी है। शव के पास से मृतक का एक स्मार्ट फोन बरामद हुआ है, जिसकी उसके पुत्र के द्वारा पहचान की गयी है। उक्त स्मार्ट फोन को पुलिस द्वारा जप्त किया गया है। पुलिस ने पाया कि शव पर किसी प्रकार का गंभीर चोट के निशान नहीं है। वही ग्रामीणों द्वारा पुलिस को बताया गया कि वह नशे के आदि थे। मृतक का शवे पोस्टमार्टम हेतु सासाराम भेज दी गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मृत्यु के स्पष्ट कारणों का पता चल पायेगा। वहीं पुलिस अनुसंधान जारी है।

दो आपराधिक गुटों में गोलीबारी के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया

सासाराम । रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम में शनिवार की सुबह हुई दो आपराधिक गुटों में गोलीबारी के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इसके अलावा उनके ठिकानों से 6 लाख रुपया नगद, हथियार एवं तीन चार पहिया वाहन जप्त किया था। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसी घटना के सिलसिले मे पुलिस नेअपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे छापामारी के क्रम में इसी गिरोह के एक अपराधी के करगहर थानान्तर्गत पटवाडीह गाँव में मौजूद होने के तकनीकी साक्ष्य प्राप्त हुये। तकनीकी साक्ष्य के आधार पर की जा रही छापामारी के क्रम में उस इलाके में कई घरों का सत्यापन किया जा रहा था। इसी क्रम में एक घर मे विधायक करगहर मौजूद थे। करगहर थाने के पुलिस पदाधिकारी द्वारा उनसे पुलिस का सहयोग करने हेतु अनुरोध किया गया परन्तु विधायक इससे नाराज होकर इसका विरोध करने लगे जिससे उस इलाके का सघन जॉच अभियान पूर्ण नहीं हो पाया। वहीं एसपी ने अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु आम लोगों से सहयोग की अपील की है।

मुजफ्फरपुर में कल योगी आदित्यनाथ की सभा, तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

मुजफ्फरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बाद अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ आज बिहार के मुजफ्फरपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा क्षेत्र में कंपनी बाग रोड स्थित मुजफ्फरपुर क्लब मैदान में आयोजित की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, सीएम योगी आदित्यनाथ आज दोपहर 12 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर एनडीए के सभी घटक दलों और भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। कार्यकर्ता इस जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के पास है, जिससे यहां मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है। वहीं, जन सुराज पार्टी के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। सभी दलों के उम्मीदवारों ने प्रचार के अंतिम चरण में पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के आगमन से शहरी क्षेत्र में पार्टी को बड़ा लाभ मिलेगा। भाजपा के नगर विधानसभा प्रत्याशी रंजन कुमार ने कहा कि पूरा बिहार आज एनडीए की लहर में बह रहा है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों के बल पर जनता के बीच जा रहे हैं। कल योगी आदित्यनाथ जी मुजफ्फरपुर आ रहे हैं, उनकी लोकप्रियता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जहां योगी जी की सभा होती है, वहां जीत सुनिश्चित हो जाती है। हम सब इस सभा को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं।

महुआ में तेजस्वी का बयान : पार्टी से बड़ा कोई नहीं

वैशाली के हॉट सीट महुआ में पहली बार अपनी पार्टी राजद के प्रत्याशी मुकेश रौशन के प्रचार में पहुँचे तेजस्वी यादव ने कहा पार्टी से बड़ा कोई नहीं है, लोंगो से कहा कोई कन्फूजन नहीं है, कोई आए या जाये आप लोग लालटेन जला कर यहां से भेजे। महुआ से लालू के बड़े लाल और तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप राजद से निकाले जाने के बाद अपनी पार्टी जेजेडी से चुनाव लड़ रहे है और ऐसा कयास लगाया जा रहा था कि अपने बड़े भाई तेजप्रताप के खिलाफ तेजस्वी महुआ में चुनाव प्रचार नहीं करेंगे। लेकिन तेजस्वी ने यह साबित कर दिया कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता और उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पार्टी ही माँ बाप होता है और लालू जी ने मुकेश रौशन को टिकट दिया है इसलिए आप लोग कोई कन्फयूजन में नहीं रहे और चुपचाप लालटेन को जीताकर तेजस्वी यादव के हाथों को मजबूत करें. बहरहाल महुआ में तेजस्वी अपने बड़े भाई तेजप्रताप के खिलाफ अपने पार्टी का चुनाव प्रचार में आकर यह तो साबित कर दिया की पार्टी से बड़ा न तो उनका परिवार है और ना ही भाई, अब देखना होगा तेजप्रताप अपने छोटे भाई के खिलाफ राघोपुर में क्या गुल खिलाते है।

बिहार के इस रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प, खर्च किए जाएंगे ₹25 करोड़

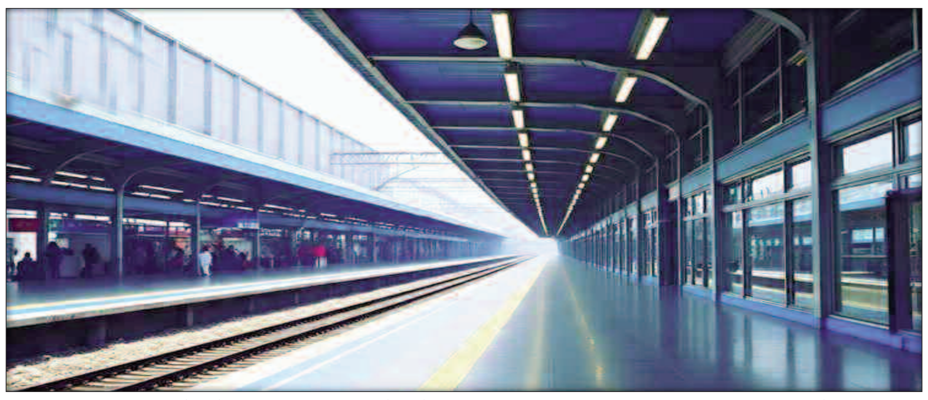

एजेंसी/पटना

बिहार के भागलपुर जंक्शन पर यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानी अब दूर होने वाली है। रेलवे बोर्ड ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति दे दी है, जिससे प्लेटफॉर्म नंबर 2, 3, 4 और 6 को लंबा किया जाएगा। वर्तमान में 16-20 कोच वाली ट्रेनें प्लेटफॉर्म से बाहर लटक जाती हैं, जिससे चढ़ने-उतरने में खासी दिक्कत होती है। विस्तार के बाद ये समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी और कर्व लाइन नंबर 1 व 2 को सीधा कर पॉइंट्स हटाने से संचालन सुगम हो जाएगा। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और चुनाव की घोषणा से पहले ही यह परियोजना मंजूर हो गई थी। भागलपुर जंक्शन मालदा डिवीजन का प्रमुख स्टेशन है और यह लंबे प्लेटफॉर्मों की कमी से जूझ रहा था। प्लेटफॉर्म 2 और 3 की लंबाई वर्तमान में 430-492 मीटर है, यह 20 कोच तक समा लेती है, लेकिन विक्रमशिला एक्सप्रेस जैसी 24 कोच वाली ट्रेनों के लिए अपर्याप्त साबित होती है। इसका विस्तार लोहिया पुल की ओर होगा, ताकि बोगियां प्लेटफॉर्म के बाहर न रहें। प्लेटफॉर्म 4 की लंबाई 611 मीटर से बढ़ाकर 621 मीटर की जाएगी। कर्व लाइनों को स्ट्रेटलाइन से जोड़ने से ईस्ट और वेस्ट पैनल खत्म हो जाएंगे, जिससे ट्रेनों का टर्नआउंड समय कम होगा। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, "यह वर्क यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए है। टेंडर जल्द फाइनल होगा और काम 2026 तक पूरा हो जाएगा।" यह विस्तार अमृत भारत स्टेशन योजना का हिस्सा है और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर केंद्रित है। भागलपुर में पहले से ही फुट ओवर ब्रिज और वेटिंग हॉल का कार्य चल रहा है और यह प्रोजेक्ट उनका पूरक होगा। यात्रियों का कहना है कि छोटे प्लेटफॉर्मों से दुर्घटनाओं का खतरा रहता था, अब यह खतरा भी कम हो जाएगा। भागलपुर जंक्शन पर प्रतिदिन 2 लाख से अधिक यात्री गुजरते हैं और यह कोलकाता-दिल्ली रूट का महत्वपूर्ण स्टॉपेज है। इस विस्तार से लोकल ट्रेनों का संचालन भी बेहतर होगा और मालगाड़ियों की पार्किंग भी आसान हो जाएगी। रेलवे बोर्ड की मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया तेज हो गई है और ठेकेदार चयन के बाद काम शुरू होगा।

तेजस्वी सीएम बने तो अपहरण और हत्या मंत्रालय बनेगा, एनडीए आया तो बिहार बाढ़ मुक्त होगा : शाह

राजद पर जंगलराज लाने का आरोप

गृह मंत्री ने कहा कि राजद के लोग आज जनता के बीच आकर झूठे वादे कर रहे हैं। वे भेष बदलकर वोट मांग रहे हैं ताकि बिहार में एक बार फिर से जंगलराज कायम हो सके। उन्होंने कहा कि जब राजद की सरकार थी, तब प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं थी। उन्होंने गोपालगंज के डीएम जी. कृष्णैया की पीट-पीटकर हत्या की घटना का ज़िक्र करते हुए कहा कि ह्लराजद के शासन में अपराध, रंगदारी और हत्या का बोलबाला था। अगर ऐसी सरकार फिर आई, तो वही हालात लौट आएंगे। अमित शाह ने जनता से अपील की कि बिहार को फिर से अराजकता के उस दौर में न जाने दें। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ही बिहार को स्थिरता और विकास दे सकती है।

आतंकियों को बिरयानी खिलाने वालों में देशप्रेम नहीं

अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ये वही दल हैं जिनके शासनकाल में आतंक की घटनाएं आम बात थीं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू यादव आतंकियों के हिमायती रहे हैं। ये लोग आतंकियों को बिरयानी खिलाते थे। जबकि मोदी सरकार आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारती है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने धारा 370 को खत्म कर कश्मीर को पूर्ण रूप से भारत के संविधान के दायरे में लाया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को दस दिन के अंदर खत्म कर दिया। जिन लोगों के अंदर राष्ट्रप्रेम नहीं, उनके अंदर केवल परिवारप्रेम पनपता है।

एजेंसी/पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार के मुजफ्फरपुर में आयोजित एनडीए की जनसभा में राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव की सरकार बनी तो बिहार में तीन नए मंत्रालय गठित होंगे पहला अपहरण मंत्रालय, दूसरा रंगदारी और तीसरा हत्या मंत्रालय। वहीं, उन्होंने वादा किया कि यदि एनडीए सत्ता में आई तो बिहार को बाढ़ की समस्या से हमेशा के लिए मुक्त कराया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अगर जंगलराज लाने वाले लोग फिर सत्ता में लौटे तो बिहार में अपराध, अपहरण और खून-खराबे का दौर वापस आएगा। राजद की सरकार बनेगी तो अपहरण का मंत्रालय और हत्या का विभाग बनना तय है। वहीं, एनडीए सरकार आई तो बाढ़ से राहत देने के लिए विशेष मंत्रालय बनाया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि राजद के लोग आज जनता के बीच आकर झूठे वादे कर रहे हैं। वे भेष बदलकर वोट मांग रहे हैं ताकि बिहार में एक बार फिर से जंगलराज कायम हो सके। उन्होंने कहा कि जब राजद की सरकार थी, तब प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं थी। उन्होंने गोपालगंज के डीएम जी. कृष्णैया की पीट-पीटकर हत्या की घटना का ज़िक्र करते हुए कहा कि ह्लराजद के शासन में अपराध, रंगदारी और हत्या का बोलबाला था। अगर ऐसी सरकार फिर आई, तो वही हालात लौट आएंगे। अमित शाह ने जनता से अपील की कि बिहार को फिर से अराजकता के उस दौर में न जाने दें। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ही बिहार को स्थिरता और विकास दे सकती है। अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ये वही दल हैं जिनके शासनकाल में आतंक की घटनाएं आम बात थीं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू यादव आतंकियों के हिमायती रहे हैं। ये लोग आतंकियों को बिरयानी खिलाते थे। जबकि मोदी सरकार आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारती है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने धारा 370 को खत्म कर कश्मीर को पूर्ण रूप से भारत के संविधान के दायरे में लाया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को दस दिन के अंदर खत्म कर दिया। जिन लोगों के अंदर राष्ट्रप्रेम नहीं, उनके अंदर केवल परिवारप्रेम पनपता है। अमित शाह ने कहा कि बिहार की जनता अब विकास और स्थिरता चाहती है। उन्होंने दावा किया कि पूरे राज्य में एनडीए के पक्ष में लहर है और जीत तय है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार आने पर बिहार में बाढ़ नियंत्रण, रोजगार, सड़क और उद्योग विकास के लिए विशेष योजनाएं चलाई जाएंगी।

एक नजर

गयाजी में सचिन पायलट की चुनावी सभा बीजेपी-जेडीयू पर लगाया झूठे वादे का आरोप

गया जी। पिछले कुछ दिनों से मौसम खराब रहने के चलते बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में परेशानी हो रही थी। रविवार को मौसम साफ होने के बाद सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में लग गयी। इसी क्रम में राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गयाजी में महागठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार किया और लोगों से वोट देने की अपील की। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि बिहार की जनता ने सत्ता परिवर्तन का मन बना लिया है। सचिव पायलट ने महागठबंधन के प्रत्याशी मोहन श्रीवास्तव को भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की। गयाजी शहर के गया क्लब मैदान में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा-जदयू एक बार फिर विधानसभा चुनाव में झूठे वायदे कर बिहार की भोली-भाली जनता का वोट ठगने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि बिहार की जनता ने इस बार परिवर्तन का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को सिर्फ कुर्सी से मोह है। वरना बिहार के लोगों के नाखून कटवाकर दिल्ली भेजने के बाद वापस भाजपा के साथ नहीं जाते। सचिन पायलट ने कहा कि आज पूरा देश बिहार चुनाव की ओर देख रहा है। 20 साल से इस प्रदेश में जो हालात उत्पन्न हुए हैं वे किसी से छिपे नहीं हैं। पिछले चुनावों में प्रदेश की जनता से जो भी वायदे किए गए वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने उपस्थित जनसभा में कांग्रेस उम्मीदवार मोहन श्रीवास्तव को भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की।

बसपा प्रत्याशी चितरंजन कुमार को एआईएमआईएम ने दिया समर्थन, रोमांचक हुई वजीरगंज विधानसभा चुनाव

गयाजी। गयाजी जिले के वजीरगंज विधानसभा के बसपा प्रत्याशी चितरंजन कुमार उर्फ चिंटू भैया को एआईएमआईएम ने समर्थन दे दिया है. समर्थन मिलने के बाद वजीरगंज विधानसभा की लड़ाई रोमांचक हो गई है. मुख्य लड़ाई में चितरंजन कुमार उर्फ चिंटू भैया आ गए हैं. वहीं एआईएमआइएम का समर्थन मिलने के बाद बसपा प्रत्याशी चितरंजन कुमार उर्फ चिंटू भैया ने कहा कि हम लोग न जात की न पात की, सिर्फ विकास की बात करते हैं. इस बार सिर्फ वजीरगंज विधानसभा के विकास की बात होगी. वहीं कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों को लेकर कहा कि हाथी का अब कोई निकटतम प्रतिद्वंद्वी नहीं है. हाथी जंगल का इंजीनियर होता है और इस बार वजीरगंज का इंजीनियर बहुजन समाज पार्टी है. एमआईएमआईएम ने अपना समर्थन दिया है. वहीं अन्य सभी का भी समर्थन व्यापक तौर पर मिल रहा है. वहीं एआईएमआईएम के नेता शारीम अली ने कहा कि इस बार वजीरगंज की जनता को फुटबॉल बनाने वाले कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशी चित होंगे. वहीं एआइएमआइएम के प्रत्याशी चितरंजन कुमार चिंटू भैया ऐसे प्रत्याशी हैं जिनका हर वर्ग में समर्थक वोटर है और एआईएमआईएम ने अपना समर्थन चितरंजन कुमार उर्फ चिंटू भैया को दिया है. अब मुस्लिम वोट किधर है, यह सभी को समझ में आ गया है। वही भूमिहार और राजपूत वोट भी इधर ही है. इस बार जाति बंधन को तोड़कर वजीरगंज की जनता चिंटू भैया को जीत दर्ज कराएगी।

बिहार चुनाव 2025 : गोपालगंज के 4 उम्मीदवारों पर प्रशासन की कड़ी नजर, डीएम ने बनाई स्पेशल विजिलेंस टीम

एजेंसी/पटना

गोपालगंज में चुनावी सरगर्मी के बीच प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। जिले के चार प्रत्याशियों पर विशेष निगरानी रखने के लिए जिला प्रशासन ने स्पेशल विजिलेंस टीम गठित किया है। डीएम पवन कुमार सिन्हा ने बताया कि इन प्रत्याशियों की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी ताकि आदर्श आचार संहिता का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जा सके और किसी भी तरह की गड़बड़ी या अनुचित गतिविधि की संभावना न रहे। सूत्रों के अनुसार, जिन चार प्रत्याशियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है उनमें - कुचायकोट विधानसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी अमरेंद्र कुमार पांडे उर्फ पप्पू पांडे वहीं उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी हरिनारायण प्रसाद एवं बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी प्रेमशंकर यादव और उनके प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश कुमार तिवारी शामिल हैं। इन चारों प्रत्याशियों पर प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरतने का निर्णय लिया गया है। निगरानी के लिए बनाई गई व्यवस्था प्रत्येक प्रत्याशी के साथ एक दंडाधिकारी, एक पुलिस पदाधिकारी, एक वीडियोग्राफी टीम, और एक स्पेशल वाहन तैनात किया गया है। यह टीम प्रत्याशी की हर मूवमेंट पर नजर रखेगी - चाहे वह जनसंपर्क यात्रा हो, सभा हो या निजी कार्यक्रम। डीएम पवन कुमार सिन्हा ने स्पष्ट कहा - ह्लजहां-जहां ये प्रत्याशी जाएंगे, वहां टीम उनके साथ मौजूद रहेगी। प्रशासन का मकसद सिर्फ और सिर्फ निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त चुनाव कराना है। किसी भी स्तर पर आचार संहिता उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ह्व जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिला प्रशासन की यह पहल बताती है कि गोपालगंज में चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए इस बार कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। सभी चेकपोस्ट, एसएसटी और एफएसटी टीमें, फ्लाइंग स्क्वाड, और इंटेलिजेंस यूनिट लगातार सक्रिय हैं। डीएम ने बताया कि जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों के मूवमेंट, जनसभाओं और प्रचार अभियानों की वीडियोग्राफी की जा रही है। साथ ही, सभी राजनीतिक दलों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करें। विजिलेंस टीम की भूमिका ये टीमें न केवल निगरानी करेंगी, बल्कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करेंगी।

हर घर नौकरी हम देंगे तभी शादी होगी : तेजस्वी

एजेंसी/पटना

वैशाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रोजगार, अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वर्तमान सरकार को घेरा। उन्होंने अपनी सरकार बनने पर 20 महीने में 20 साल से अधिक काम करने का दावा किया। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि पिछले 20 सालों में वैश्य समाज पर हमले और हत्याएं बढ़ी हैं, जबकि सरकार कुछ भी नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पहले के किसी शासनकाल में इतनी हिंसा नहीं हुई। तेजस्वी ने वादा किया कि उनकी सरकार आने पर सभी अपराधी जेल में होंगे। उन्होंने याद दिलाया कि उन्हें दो बार उपमुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उन्होंने इसे साबित करके दिखाया। तेजस्वी के अनुसार, जब उन्होंने पिछली बार 10 लाख लोगों को नौकरी देने की बात कही थी, तो उनके चाचा ने इसे असंभव बताया था। हालांकि, उन्होंने कम समय में लगभग 5 लाख लोगों को विभिन्न विभागों में नौकरियां दीं। तेजस्वी ने दोहराया कि जिस परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है, उस परिवार को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में भेजे गए 10 हजार रुपये की योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार में एक व्यक्ति को नौकरी मिलने का लाभ आजीवन मिलता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में कोई काम बिना घूस के नहीं होता और भ्रष्टाचार व अफसरशाही चरम पर है, लेकिन इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इसके बजाय, सरकार के गलत नीतियों वाले विपक्षियों को फंसाकर जेल भेजा जाता है। उन्होंने उदाहरण दिया कि उनकी पार्टी ने शिवानी शुक्ला के पिता मुन्ना शुक्ला को वैशाली लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था, तो भाजपा के लोगों ने उन्हें फंसाकर जेल भेज दिया। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि दिल्ली से बैठकर सरकार चलाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रतिवर्ष एक करोड़ नौकरी के वादे पर सवाल उठाते हुए पूछा कि बीते ग्यारह वर्षों में उन्होंने कितनी सरकारी नौकरियां दीं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार से बेरोजगारी को खत्म करने और पलायन को रोकने के लिए इस सरकार को उखाड़ फेंकना आवश्यक है। उन्होंने अपनी योजना दोहराते हुए कहा कि हर घर में नौकरी देने से युवाओं की शादी होगी, जिन्हें शादी नहीं हुई है, उनकी शादी होगी और बाल-बच्चे होंगे, जिससे पूरा परिवार खुशहाल रहेगा।

एक बार छपरा को बदल दूं फिर छोड़ दूंगा राजनीति, ब्रह्मपुर में गरजे खेसारी लाल

एजेंसी/पटना

भोजपुरी सुपरस्टार और राजद प्रत्याशी खेसारी लाल यादव ने शनिवार को छपरा विधानसभा क्षेत्र के ब्रह्मपुर में जनसंपर्क अभियान के दौरान एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने खुद को नेता नहीं, बल्कि छपरा का बेटा बताते हुए कहा कि राजनीति उनका व्यवसाय नहीं है। खेसारी ने वादा किया कि एक बार छपरा बदल देंगे, फिर राजनीति से दूर हो जाएंगे। इस दौरान खेसारी ने कहा, ह्लमैं नेता नहीं, छपरा का बेटा हूं। राजनीति मेरा पेशा नहीं है। मैं छपरा को बदलने आया हूं। एक बार छपरा बदल दूं, फिर राजनीति से दूर हो जाऊंगा।ह्व साथ ही भाजपा के पूर्व सांसद निरहुआ के ह्ययादव-मुल्लाह्ह बयान पर पलटवार करते हुए खेसारी ने कहा, ह्लक्या मुसलमानों को यहां रहने का अधिकार नहीं है? बिहार एकता और भाईचारे की धरती है, जहां धर्म के आधार पर किसी को बांटना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस जनसभा में उन्होंने अपना मशहूर गीत ह्ललालू बिना चालू ई बिहार ना होईह्व गाकर माहौल को गमार्या, जिससे समर्थकों में जोश भर गया। खेसारी ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील की और कहा कि राजद की सरकार बनी तो युवाओं को रोजगार मिलेगा, बेटियों के लिए नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा, ह्लहम सब नून-रोटी खाएंगे, लेकिन जिंदगी संग ही बिताएंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए खेसारी ने पूछा, ह्लबीस साल पहले गुजरात भी बिहार जैसा था, फिर बिहार में उद्योग क्यों नहीं लगे? आखिर बिहार का क्या कसूर है?ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने सिर्फ वायदे किए, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले 20 वर्षों में बिहार का विकास केवल भाषणों तक ही सीमित रहा है। खेसारी ने कहा है कि वे राजनीति में नया चेहरा हैं, लेकिन लोगों का विश्वास जीतकर छपरा को नया मॉडल बनाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया, ह्लहर क्षेत्र में नंबर वन रहा हूं, अब राजनीति में भी नंबर वन साबित होकर दिखाऊंगा।ह्व इस सभा के दौरान जगह-जगह उनका फूल-मालाओं से स्वागत हुआ। अंत में खेसारी ने कहा, ह्लबिहार की असली तस्वीर तभी बदलेगी जब युवा ईमानदारी से राजनीति में भागीदारी निभाएंगे।

बिहार के दर्जन भर जिलों में आज भी बारिश की संभावना, आईएमडी का अलर्ट जारी

युपी-बिहार के 37 जिलों में झमाझम बारिश का अलर्ट

चक्रवात मोंथा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश में साफ दिख रहा है। पटना मौसम विभाग ने 30 और 31 अक्टूबर को बिहार के 20 जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। दरभंगा, मुजफ्फरपुर और बक्सर जैसे जिले प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में भी बारिश ने ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी के 17 जिलों में 30 अक्टूबर को झमाझम बारिश की चेतावनी दी है। वाराणसी, प्रयागराज, मऊ, जौनपुर और गाजीपुर में तेज बारिश के साथ आंधी की आशंका है।

एजेंसी/पटना

बिहार में चक्रवाती तूफान मोंथा के अवशेषों ने मौसम को पूरी तरह से बदलकर रख दिया है। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है और आज 2 नवंबर को भी 11-12 जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, कटिहार, पूर्णिया जैसे जिलों में 64-115 मिमी तक बारिश का अलर्ट दिया है, साथ ही वज्रपात और तेज हवाओं की भी आशंका जताई है। शेष जिलों में भी हल्की बूंदाबांदी जारी रहेगी। हालांकि, अब मोंथा का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है। सोमवार से वर्षा में कमी आने के साथ धूप के लौटने के संकेत हैं और तापमान में 3-6 डिग्री की वृद्धि होगी। यह अलर्ट बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और पश्चिमी विक्षोभ के संयुक्त प्रभाव से है जो कि राज्य के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। पिछले 24 घंटों में बारिश ने बिहार को खूब भिगोया। कल खगड़िया के बालतारा में सर्वाधिक 170 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मुंगेर में 155 मिमी, किशनगंज में 126.4 मिमी, पूर्णिया में 119.2 मिमी, कटिहार में 90.4 मिमी, बांका में 89.4 मिमी, जमुई में 88.6 मिमी और भागलपुर में 84.6 मिमी बारिश हुई। जबकि बक्सर में 74.4 मिमी और मधेपुरा में 65 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पटना सहित अधिकांश जिलों में बादल छाए रहने से धूप न निकलने पाने का असर पड़ा और अधिकतम तापमान औसतन 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पटना का अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री और न्यूनतम 22.1 डिग्री, गया में 24.4/22.2 डिग्री, भागलपुर में 24.1/21.6 डिग्री तथा मुजफ्फरपुर में 23.8/22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। औरंगाबाद में 25.8 डिग्री का राज्य का उच्चतम तापमान रहा।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बिहार में चलेगी विशेष ट्रेन

एजेंसी/पटना

बिहार के प्रसिद्ध सोनपुर कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने सोनपुर और छपरा के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। ट्रेन नंबर 05203 सोनपुर-छपरा मेला स्पेशल 5 और 6 नवंबर को सोनपुर से रात 12:15 बजे रवाना होगी और परमानंदपुर, नयागांव, सीतलपुर, दिघवारा, अम्बिका भवानी हाल्ट, अवतारनगर, पंचपटिया देवरिया हाल्ट, बड़ा गोपाल, डुमरी जुआरा, गोल्डनगंज, छपरा ग्रामीण तथा छपरा कचहरी स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 2:30 बजे छपरा पहुंच जाएगी। वापसी में ट्रेन नंबर 05204 छपरा-सोनपुर मेला स्पेशल उसी दिन छपरा से सुबह 3:45 बजे चलेगी और समान स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 6:38 बजे सोनपुर पहुंच जाएगी। यह 8 कोच वाली टएटव ट्रेन दो फेरों में चलेगी और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को आसान और सुरक्षित यात्रा प्रदान करेगी। ज्ञात हो कि सोनपुर मेला गंगा-गंडक संगम पर आयोजित होता है और यह देश का सबसे बड़ा पशु मेला है। लाखों लोग यहां स्नान, पूजा और व्यापार के लिए आते हैं। रेलवे ने स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा, हेल्प डेस्क और भीड़ प्रबंधन की भी व्यवस्था की है, ताकि यात्रा सुगम रहे।

सुभाषितम्

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

शटडाउन के कारण अमेरिका की सांसे थमीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल दुनिया में एक नया रिकार्ड बनाने जा रहा है। दूसरी बार शपथ लेने के बाद उन्होंने जिस तरह से टैरिफ बार की शुरूआत की है, उसके कारण वह चचाओं में रहे और अब रही सही कसर अमेरिका में चल रहे शटडाउन ने पूरी कर दी है। 30 दिन से ज्यादा का समय हो गया है, अभी तक सीनेट में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन के बीच में कोई सहमति नहीं बन पा रही है। जिसके कारण अमेरिका के 7 लाख, 30000 कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा जा चुका है। अमेरिका में फूड सब्सिडी जारी नहीं होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्पेस एजेंसी नासा पर भी इसका असर पडना शुरू हो गया है। अमेरिका का यह दूसरा सबसे लंबा शटडाउन है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में 35 दिन का शटडाउन लागू हो चुका है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का शटडाउन 31 दिन से ज्यादा का हो गया है। अभी तक कोई हल नहीं निकला है जिसके कारण लगता है कि यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन होगा। अमेरिका में अभी तक 10 बार शटडाउन लागू हो चुके हैं। इस शटडाउन ने पुराने सभी रिकार्ड को तोड़ने की तैयारी कर ली है। अब खाद्य सहायता पूरी तरह से बंद होने के कगार पर है। इसका असर 4.2 करोड़ लोगों पर पड़ेगा। दो जजों ने आकस्मिक फंड इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था, लेकिन प्रशासन ने इसे नहीं माना है। अमेरिका में नेशनल पार्क, संग्रहालय, सांस्कृतिक स्थल, सरकारी वेबसाइट एवं अन्य परियोजनाओं के काम पूरी तरह से रुक गए हैं। शटडाउन के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। इससे हवाई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। नासा में भी रिसर्च का काम पूरी तरह से रुक गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बिल पास कराने के लिए 60 वोटो की जरूरत होती है अभी उनके पास 50 सीनेट का समर्थन है। सीनेट में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच में सहमति नहीं बन पा रही है, जिसके कारण अमेरिका की सरकार का सारा काम एक तरह से रुक गया है। अमेरिका की संसदीय कार्य प्रणाली में सरकार, संसद के नियंत्रण में काम करती है। यदि बजट पास नहीं होता है तो सरकार खर्च नहीं कर पाती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तुनक मिजाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने समझौता करने के स्थान पर फंडिंग पास करवाने के लिए बहुमत का नियम ही खत्म करने की कोशिश शुरू कर दी है। इसको लेकर भी सीनेट के बीच में मतभेद बढ़ता चला जा रहा है। अमेरिका की संसद और उसके सीनेट अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से समझते हैं। 1976 से लेकर अभी तक लगभग 10 बार शटडाउन की स्थिति बनी है, लेकिन कुछ ही समय के अंतराल में इसे डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन बातचीत करके सुलझा लेते हैं। यह पहली बार है जब ट्रंप जिद पकड़े हुए हैं जिसके कारण अमेरिका के लगभग चार करोड लोग आर्थिक संकट में फंस गए हैं, वहीं 7 लाख से ज्यादा कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं जो काम कर रहे हैं उन्हें भी वेतन नहीं मिल रहा है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति वैसे भी बहुत अच्छी नहीं है। अमेरिका के ऊपर बहुत ज्यादा कर्ज है। सरकार को खर्च करने के लिए अपनी आय बढ़ाने का दबाव बना हुआ है। टैरिफ युद्ध भी इसी का परिणाम था, लेकिन जिस तरह के हालात अमेरिका के बने हुए हैं। उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लड़ाई के कई मोर्चे एक साथ खोल लिए हैं, जिसके कारण स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। जिस तरह से वह आक्रामक होकर अमेरिका में टकराव की राजनीति कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी कई देशों के साथ उनका टकराव बना हुआ है। जिसके कारण अमेरिका की आर्थिक स्थिति दिनों-दिन खराब होती चली जा रही है। अमेरिका के नागरिकों में ट्रंप की लोकप्रियता लगातार घट रही है, इसके बाद भी वह किसी तरह से कोई समझौता करने के मूड में नहीं हैं।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी। सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निश्शंक देख रहा हूं। मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

श्मशानघाट बन गया मंदिर, भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन?

- नरेंद्र भारती

भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है लाशों के अंबार लगते जा रहे हैं हर माह ऐसे हादसे हो रहे हैं' सितम्बर में हुई घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की एक नवंबर 2025 को आंध्रप्रदेश में फिर घटना हो गई' वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में रेलिंग टूटने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए मंदिर पल भर में श्मशानघाट बन गया भगदड़ मचने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई यह दुःखद हादसा शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुआ 'ऐसी ही भगदड़ की घटना बीते 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' 17 महिलाओं की मौत हो गई थी 'मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे ' करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ था वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता थी 'लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे' भगदड़ मचने से ज्यादातर मोटे हुई है मौत का कारण दम घुटना था ' शनिवार को चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया' पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था ' सरकार ने मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया है' गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के

प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 से लगभग घायल हो गए थे ' मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था ' मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढ़ीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था 'यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी ' 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और काफी लोग घायल हुए थे ' 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई थी और बहुत लोग घायल हो गए थे ' 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ' मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं ' कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं।

नाइट्रोजन तत्व के खोजकर्त्ता: डैनियल रदरफोर्ड

-संजय गोस्वामी

अभी बिहार चुनाव का माहौल हर जगह टीवी से लेकर मीडिया और सारे पेपर पर यही चल रहा है लेकिन देश के विकास हेतु इन सब पर ध्यान न देकर विज्ञान को समझने की कोशिश करें जिससे वैज्ञानिक सोच पैदा होगी हार जीत और उससे भी आगे की पटकथा भगवान राम लिख चूंके होंगे और एक समय के बाद सब कुछ छोड़ना पड़ता है बाद में फिर कोई नया आता है इसपर पूर्व प्रधानमंत्री स्व वाजपेयी जी ने भरे ससंद में कहा था सरकारें आयेंगी जाएंगी, लेकिन देश का लोकतंत्र सुरक्षित रहना चाहिए आज स्व बाजपेई जी को लोग सबसे ज्यादा इसलिए जानते है कि उन्होंने जो 1998 में परमाणु पोखरण परीक्षण किया वो अमेरिका के दबाब के बाद भी कर दिया और यही एक इतिहास बन गया, अतः आज लोग उसी को याद करते है जो विज्ञान में कोई नया अविष्कार करते हैं ऐसे ही आज मैं आपको एक ऐसे वैज्ञानिक के जन्मदिन पर उनके द्वारा किए गए खोज के बारे मैं बता रहा हूँ जिन्होंने नाइट्रोजन तत्व की खोज की स्कॉटिश चिकित्सक डैनियल रदरफोर्ड का जन्म 3 नवंबर, 1749 को हुआ था। उन्होंने हवा से ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया और दिखाया कि बची हुई गैस दहन या जीवों के लिए सहायक नहीं होगी। उसी समय, अन्य प्रसिद्ध वैज्ञानिक भी नाइट्रोजन की समस्या पर काम कर रहे थे। नाइट्रोजन की खोज का श्रेय स्कॉटिश चिकित्सक डैनियल रदरफोर्ड को (1772 में खोज हेतु) में दिया जाता है, जिन्होंने इसे हानिकारक वायु कहा था। रदरफोर्ड ने 1772 में गैस के पृथक्करण द्वारा नाइट्रोजन की खोज की। नाइट्रोजन, एक रासायनिक तत्व है स्कॉटिश रसायनज्ञ और चिकित्सक जो नाइट्रोजन के पृथक्करण के लिए सबसे

प्रसिद्ध थे। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में अपने चिकित्सा अध्ययन के दौरान, रदरफोर्ड ने 1772 में नाइट्रोजन को पृथक किया और 1778 में ऑक्सीजन, या जैसा कि उन्होंने इसे महत्वपूर्ण वायु कहा था, का वर्णन किया। जिसका प्रतीक है। इसका परमाणु क्रमांक 7 है। सामान्य ताप और दाब पर यह गैस है तथा पृथ्वी के वायुमण्डल का लगभग 78% नाइट्रोजन ही है। हालांकि उन्होंने इसे पूरी तरह से अलग रासायनिक पदार्थ के रूप में नहीं पहचाना, लेकिन उन्होंने इसे जोसेफ ब्लैक की स्थिर हवा , या कार्बन डाइऑक्साइड से स्पष्ट रूप से अलग किया। ब्लैक ने स्थिर वायु (कार्बन डाइऑक्साइड) की खोज की थी एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन के अध्यक्ष रहे। 1 दिसंबर 1786 को रदरफोर्ड ने जॉन होप के बाद विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर और एडिनबर्ग में रॉयल बोटेनिक गार्डन के संरक्षक का पद संभाला। 1788 में रदरफोर्ड को एडिनबर्ग की फिलॉसॉफिकल (बाद में रॉयल) सोसायटी का फेलो चुना गया। 1796 में रदरफोर्ड को लिनियन सोसाइटी का फेलो चुना गया। प्रमुख प्रकाशन डे ऐरे फिक्सो डिक्टो ऑट मेफिटिको (1772) कैरेक्टर्स जेनरम प्लांटारम एक्स सिस्टेमेट वेजीटेबिलियम लिनैई एट होर्टो केवेन्सी प्रीसिप्यू अंश (1793) जीवनी डैनियल रदरफोर्ड का जन्म 3 नवंबर 1749 को एडिनबर्ग में डॉ. जॉन रदरफोर्ड के यहाँ हुआ था । उन्होंने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में विलियम कुलेन और जोसेफ ब्लैक के अधीन चिकित्सा का अध्ययन किया । रदरफोर्ड ने 1772 में एमडी की उपाधि प्राप्त की। उनके शोध प्रबंध, जिसका शीर्षक डी एरे फिक्सो डिक्टो ऑट मेफिटिको था, ने कार्बोनिक अम्ल गैस और नाइट्रोजन के बीच अंतर स्थापित किया। रदरफोर्ड नाइट्रोजन के पृथक्करण की अपनी खोज और अपने पहले शोध प्रबंध के लिए सबसे प्रसिद्ध हैं। स्कॉटिश चिकित्सक और रसायनज्ञ, डैनियल रदरफोर्ड को 1772 में नाइट्रोजन की खोज का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने हवा के एक नमूने से ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड निकालकर इस गैस को अलग किया और पाया कि बची हुई गैस, जिसे उन्होंने हानिकारक वायु कहा, दहन या जीवन के लिए उपयुक्त नहीं थी। उसी समय के आसपास अन्य वैज्ञानिक भी इसी तरह की खोजों पर काम कर रहे थे, रदरफोर्ड के डॉक्टरेट शोध प्रबंध के औपचारिक प्रकाशन ने उन्हें यह श्रेय दिलाया। तत्वों में, नाइट्रोजन ब्रह्मांडीय प्रचुरता में छठे स्थान पर है। पृथ्वी के वायुमंडल में भार के हिसाब से 75.51 प्रतिशत (या आयतन के हिसाब से 78.09 प्रतिशत) नाइट्रोजन है; यह वाणिज्य और उद्योग के लिए नाइट्रोजन का प्रमुख स्रोत है। वायुमंडल में अमोनिया और अमोनियम लवणों की भी थोड़ी-थोड़ी मात्रा पाई जाती है, साथ ही नाइट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रिक अम्ल भी (ये पदार्थ विद्युत आँधी और आंतरिक दहन इंजन में बनते हैं)। मुक्त नाइट्रोजन कई उल्कापिंडों में, ज्वालामुखियों, खदानों और कुछ खनिज झरनों की गैसों में, सूर्य में, और कुछ तारों और नीहारिकाओं में पाया जाता है। डैनियल रदरफोर्ड, एक स्कॉटिश चिकित्सक और रसायनज्ञ ने एक ऐसे घटक को अलग करके यह पता लगाया कि हवा गैसों का मिश्रण है जो दहन या जीवन के लिए उपयुक्त नहीं था, जिसे उन्होंने हानिकारक वायु नाम दिया। रदरफोर्ड ने हवा के एक नमूने से ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड निकाली और पाया कि बची हुई गैस दहन या जीवित जीवों के लिए उपयुक्त नहीं थी। रदरफोर्ड को इस खोज का श्रेय उनके निष्कर्षों के औपचारिक प्रकाशन के कारण दिया जाता है, हालाँकि उस समय हेनरी कैवेंडिश और कार्ल शीले जैसे अन्य वैज्ञानिक भी इससे संबंधित शोध पर काम कर रहे थे। बाद का कार्यः नाइट्रोजन नाम का सुझाव 1790 में फ्रांसीसी रसायनज्ञ जीन एंटोनी क्लाउड चैप्टल ने दिया था। वैज्ञानिक डैनियल रदरफोर्ड (जिन्होंने नितरोगेन अपने निष्कर्षों को सबसे पहले प्रकाशित किया था), ब्रिटिश रसायनज्ञ हेनरी कैवेंडिश, और ब्रिटिश वैज्ञानिक जोसेफ प्रीस्टली, जिन्हें शीले के साथ मिलकर ऑक्सीजन की खोज का श्रेय दिया जाता है, द्वारा मान्यता प्राप्त। बाद के अध्ययनों से पता चला कि यह अपने शोध प्रबंध के प्रकाशन और अध्ययन पूरा करने के बाद, रदरफोर्ड ने 1773 में फ्रांस और इटली की यात्रा की। 1775 में रदरफोर्ड एडिनबर्ग लौट आए जहाँ उन्होंने एक निजी प्रैक्टिस शुरू की। रदरफोर्ड का एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन में काफी योगदान रहा, वे लाइसेंसधारी, फेलो और अध्यक्ष बने। उन्होंने ग्यारह वर्षों तक कॉलेज के सचिव और छह वर्षों तक सेंसर के रूप में भी कार्य किया। 1786 में, रदरफोर्ड को वनस्पति विज्ञान का प्रोफेसर और रॉयल बॉटनिकल गार्डन का संरक्षक नियुक्त किया गया।

दुनिया में हथियारों की खतरनाक होड़ के सूत्रधार बनेंगे ट्रंप

- मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की घोषणा पर दुनिया में जबरदस्त हलचल मच गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 33 साल बाद परमाणु परीक्षण का आदेश दिया है. चीन और रूस की टेस्टिंग के बीच यह फैसला वैश्विक तनाव बढ़ा सकता है और एनपीटी समझौते पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं, लेकिन इंटरनेशनल कैंपेन टू एबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस के अनुसार, रूस के पास लगभग 5,500 परमाणु वारहेड हैं, जबकि अमेरिका के पास करीब 5,044 हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की तैयारी के अभ्यास का आदेश दिया था. रूसी सेना ने इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और सिनेवा मिसाइल का परीक्षण किया, साथ ही टीयू-95 बमवर्षक विमान से लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी दागी. ट्रंप ने इन परीक्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पुतिन को युद्ध खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि मिसाइल टेस्ट करने पर। ट्रंप के परमाणु परीक्षण के आदेश से वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों को कमजोर कर सकता है और न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी का उल्लंघन भी माना जा सकता है, जिसे अमेरिका ने 1992 में साइन किया था. आपको बता दें कि इस पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। ईरानी के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ट्रम्प के बयान की तीखी आलोचना की। उनका कहना था कि अपने रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग रखने वाला परमाणु हथियारों से लैस दबंग देश खुद परमाणु हथियारों का परीक्षण करने जा रहा है। यही दबंग देश ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को बदनाम कर रहा है और हमारे सुरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले ये जानना जरूरी है कि परमाणु परीक्षण क्या है और इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। नाभिकीय अस्त्र परीक्षण या परमाण परीक्षण उन प्रयोगों को कहते हैं जो डिजाइन एवं निर्मित किए गए नाभिकीय अस्त्रों के प्रभाविकता, उत्पादकता एवं विस्फोटक क्षमता की जांच करने के लिए किए जाते हैं। परमाणु परीक्षणों से कई जानकारियां प्राप्त होतीं हैं, जैसे ये नाभिकीय हथियार कैसा काम करते है, विभिन्न स्थितियों में ये किस प्रकार का परिणाम देते है, भवन एवं अन्य संरचनाएं इन हथियारों के प्रयोग के बाद कैसा बर्ताव करतीं हैं। इसके अलावा परमाणु परीक्षणों से वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सैनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश भी की जाती है। बीसवीं सदी में कई देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे। पहला परमाणु परीक्षण अमेरिका ने 16 जुलाई, 1945 में किया था जिसमें 20 किलोटन का परीक्षण किया गया था। अब तक का सबसे बड़ा परमाणु परीक्षण सोवियत रूस में 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था जिसमें 50 मेगाटन के हथियार का परीक्षण किया गया था। 25 मई, 2009 को उत्तरी कोरिया ने परमाणु परीक्षण किया था, जिसे विश्व के अधिकांश देशों ने निंदनीय बताया है। विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों ने अब तक कम से कम 2000 परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि अब इस पर अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, जिनका पालन करना दुनिया के हर देश का कर्तव्य है, लेकिन अब ट्रम्प ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर दुनिया में हलचल मचा दी है।

आज का राशिफल

मेष आज फिजूल के खर्चे से बचना होगा। किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था से ऋष्ण सोच समझकर लें।

तुला दिन आपके लिए शुभ फलकारक रहने वाला है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है। ज्यादा भागदौड़ वाले कार्यों को करते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक मन अशांत रहने वाला है। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं।

मिथुन किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज के दिन आपके कष्टों में वृद्धि हो सकती है।

धनु विद्या, की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी।

कर्क आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपके परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा।

मकर कुछ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।

सिंह आज मानसिक अशान्ति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं।

कुंभ बुद्धि से खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें।

कन्या निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम रहेंगे।

मीन खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे सम्बन्ध बनाने की चेष्टा करेंगे।

विशेष

व्यापार पर होगा युद्ध विराम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार शपथ लेने के बाद दुनिया के कई देशों मैं टैरिफ युद्ध शुरू कर रखा है। यह टैरिफ युद्ध कब युद्ध विराम में बदलेगा, इसको लेकर तरह-तरह की संभावनाएं तलाशी जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच जल्द ही वार्ता होने वाली है। माना जा रहा है, यहीं से व्यापार के युद्ध विराम की शुरूआत होगी। आसियान सम्मेलन में अमेरिका और चीन के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है। जिसके कारण आशा की नई किरण देखने को मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप को शपथ लिए हुए 9 मा का समय हो चुका है।

अमेरिका में भारत और हिंदू कब इतने जलील हुए?

1947 से लेकर मई 2025 तक भारत अमेरिका से कभी इतना जलील नहीं हुआ ।जितना मई के बाद से जलील हो रहा है । डोनाल्ड ट्रंप ने मोदी को व्यापार समझौता और 250 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी देकर जलील किया । वहीं अमेरिका में हिंदुओं को जिस तरीके से जलील किया जा रहा है । हथकड़ी बेड़ी लगाकर भारतीयों को वापस भेजा गया । उसके बाद भी भारत के प्रधानमंत्री व्यापार समझौते के लिए आमादा हैं । 60 बार से ज्यादा ट्रंप जलील कर चुका है । उसके बाद भी प्रधानमंत्री मोदी खामोश हैं । लोग अब इंदिरा गांधी की याद करने लगे हैं । जिसने अमेरिका को मुंहतोड़ जवाब दिया अमेरिका के प्रतिबंधों का सामना भी उस समय किया, जब भारत आर्थिक रूप से बहुत कमजोर था ।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1534: इंग्लैंड की संसद ने नरेश हेनरी अष्टम को वे सारे अधिकार दे दिए जो पोप के पास थे। 1591: आयरलैंड में देशद्रोह के लिए सर ब्रायन ओरोकै को मौत घाट उतार दिया गया। 1935 जनमत संग्रह ने यूनान नरेश जार्ज द्वितीय को गद्दी पर वापस बुलाया। 1946: जापान में नरेश ने अपने बहुत से अधिकार संसद को सौंप दिए। 1948: प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रसंघ महासभा को संबोधित किया। 1956: फ्रांस और ब्रिटेन स्वेज युद्ध में युद्ध विराम के लिए राजी हुए। 1962: चीन के आक्रमण के बाद स्वर्ण बांड योजना लागू हुई। 1968: उत्तरी इटली में तूफान, भूस्खलन और बाढ़ से सैकड़ों लोग मारे गए और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। 1971: सल्वाडोर अलेंदे चिली के राष्ट्रपति बने। 1990: उत्तरप्रदेश सरकार ने अयोध्या की विवादग्रस्तत भूमि का अधिग्रहण किया।

दैनिक पंचांग

3 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

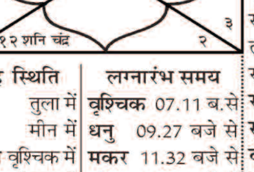

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.11 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.27 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.32 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.18 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.51 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.22 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.00 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.13 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		सिंह	00.29 बजे से
		कन्या	02.41 बजे से
		तुला	04.52 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 307 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 02.06 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 15.06 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 19.39 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.41 बजे तदनन्तर तैतिल 02.06 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 04' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872517 **जूलियन दिन** 2460982.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 3 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

लातेहार का शाकाहारी गांव, मांसाहार से दूर रहते हैं यहां के ग्रामीण, स्कूल में भी मिलता है बच्चों को अंडे के बदले फल

लातेहार, एजेंसी। समाज में लोगों के खानपान में काफी बदलाव आया है। मांसाहार का प्रचलन अपेक्षाकृत बढ़ा है, परंतु इस परिवेश में भी लातेहार का बरवागढ़ा एक ऐसा गांव है जहां के लोग पूरी तरह शाकाहारी हैं। यहां के ग्रामीण मांसाहार से बिल्कुल दूर हैं। बड़े तो बड़े यहां के बच्चे भी मांसाहार पसंद नहीं करते हैं। इसी कारण यहां के स्कूल में मध्याह्न भोजन के दौरान बच्चों को अंडे के बदले फल दिया जाता है। दरअसल लातेहार जिला जंगल पहाड़ों से भरा हुआ इलाका है। यहां के खस्सी बकरे को भी उत्तम क्वालिटी का माना जाता है। इस कारण इसकी डिमांड भी अन्य जिलों में भारी मात्रा में होती है। यहां मांसाहार का प्रचलन भी अपेक्षाकृत बढ़ा है। परंतु लातेहार सदर प्रखंड के नेवाड़ी पंचायत के बरवागढ़ा गांव में अभी भी शाकाहार का ही बोलबाला है। इस गांव में अधिकांश लोग टाना भगत समुदाय के ही निवास करते हैं। टाना भगत समुदाय महात्मा के विचारों और सिद्धांतों का अनुसरण करते हैं। इस समुदाय का एक भी व्यक्ति मांसाहार का प्रयोग नहीं करता। इनका भोजन पूरी तरह शुद्ध और शाकाहारी होता है। यही कारण है कि गांव में मांसाहार का कोई स्थान नहीं है। यहां के बच्चे भी मांसाहार को पसंद नहीं करते। स्थानीय ग्रामीण कार्तिक टाना भगत, मंगरा टाना भगत, मनीषा देवी, राजो देवी आदि ने बताया कि गांव के लोग मांसाहार का प्रयोग बिल्कुल नहीं करते हैं। उनकी यह परंपरा रही है कि उनका भोजन पूरी तरह शुद्ध और सात्विक होना चाहिए। इस परंपरा का निर्वहन गांव के लोग आज तक करते आ रहे हैं। बरवागढ़ा के ग्रामीण पूरी तरह शाकाहारी हैं, इस कारण उनके बच्चे भी मांसाहार से दूर ही रहते हैं। गांव के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भी अंडे के बदले फल दिया जाता है। स्कूल की शिक्षिका अभिषिका खाखा ने बताया कि गांव में अधिकांश बच्चे भगत समुदाय के हैं। भगत समुदाय के लोग पूरी तरह शाकाहारी होते हैं। सरकारी प्रावधान भी है कि जो बच्चे शाकाहारी होते हैं उन्हें अंडे के बदले फल देना होता है। इसी कारण स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को अंडा के बदले फल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि टाना भगत समुदाय के लोग मांसाहार से बिल्कुल दूर रहते हैं। गांव के मंगरा टाना भगत ने बताया कि गांव के लोग हमेशा शुद्ध और शाकाहारी भोजन ही करते हैं। शुद्ध और शाकाहारी भोजन करने के कारण गांव के अधिकांश लोग तन मन से पूरी तरह स्वस्थ रहते हैं। ग्रामीण बीमार भी काफी कम पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने भोजन में घर में बना हुआ आहार ही प्रयोग करते हैं। यहां के बच्चे भी होटल के खाने से परहेज करते हैं। यही कारण है कि छोटी–मोटी सिजनली बीमारियों को छोड़कर कोई भी ग्रामीण कभी गंभीर बीमारियों से पीड़ित नहीं होता है।

अनंत सिंह गिरफ्तार, दुलारचंद यादव मर्डर केस में बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। बिहार के मोकामा क्षेत्र में राजनीतिक हिंसा के बाद पूर्व विधायक और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी दुलारचंद यादव हत्याकांड से जुड़ी है, जिसमें चुनाव आयोग ने सख्त निर्देश दिए थे। आधी रात को अनंत सिंह की गिरफ्तारी- बाढ़ से अनंत सिंह को हिरासत में लिया गया और पटना लाया गया। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने यह एक्शन लिया। पूरे रास्ते में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त थे, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। क्या कहती है पुलिस- पटना के स्स्क्क कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि, 30 अक्टूबर को 2 प्रत्याशियों के गुटों में झड़प हो गई। पथराव हुआ, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद एक शव बरामद किया गया। मृतक, 75 वर्षीय दुलारचंद यादव, उसी गांव के निवासी थे जहां यह झड़प हुई थी। दोनों पक्षों ने मामला दर्ज कराया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया और यह एक गंभीर मामला है। यह पाया गया कि यह सब प्रत्याशी अनंत सिंह की मौजूदगी में हुआ, जो इस मामले में मुख्य आरोपी भी हैं। अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके साथी मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी उनके साथ गिरफ्तार किया गया है। तीनों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा और उचित जांच की जाएगी। अनंत सिंह गिरफ्तार, क्या बोले ष्ठरू- पटना के ष्ठरूडॉ। त्यागराजन एसएम ने कहा, ‌फ्रमोकामा विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना को जिला प्रशासन और पुलिस ने बहुत गंभीरता से लिया है। हमने मामले में कई कार्रवाई की है। करीब 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, आदर्श आचार संहिता पूरी चुनाव प्रक्रिया का एक मजबूत स्तंभ है। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगर कोई असामाजिक तत्व कानून या आदर्श आचार संहिता के खिलाफ जाने की कोशिश करता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम से मांगी गई डिटेल रिपोर्ट- मोकामा को हाई अलर्ट पर रखा गया है, अतिरिक्त बल तैनात किया गया। अब तक चार एफआईआर दर्ज हुई, दोनों पक्षों की शिकायतें शामिल है। आयोग ने डीजीपी और पटना डीएम से 2 नवंबर तक डिटेल रिपोर्ट मांगी है।

झारखंड से अफीम की तस्करी का केंद्र बना उत्तर प्रदेश

पलामू, एजेंसी। झारखंड से अफीम की तस्करी का केंद्र पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश बन गया है। झारखंड से अफीम की तस्करी होकर उत्तर प्रदेश के इलाके में जा रही है। वहीं से देश के अन्य हिस्सों में भी भेजा जा रहा है। अफीम की खरीद बिक्री में उत्तर प्रदेश के गैंग्स ने वर्चस्व कायम किया है।

हाल के दिनों में झारखंड में पलामू के इलाके में अफीम के खिलाफ पुलिस ने कई बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में पुलिस को तस्करी में शामिल सभी तरह की डील उत्तर प्रदेश का गैंग कर रहा था। उत्तर प्रदेश का यह गैंग बरेली, बदायूं, बाराबंकी, वाराणसी के इलाके का है। यही गैंग हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली के तस्करों से संपर्क करता है और उन्हें अफीम उपलब्ध करवाता है।

26 अक्टूबर - पलामू के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र से पुलिस ने अफीम की खरीदारी करने आए उत्तर प्रदेश के चार तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों ने पलामू पुलिस को बताया कि वह पलामू और चतरा के सीमावर्ती इलाके में अफीम की खरीदारी करने आए थे। यह यह गैंग उत्तर प्रदेश के बरेली और बदायूं का था। यह गैंग अफीम की खरीदारी कर हरियाणा एवं पंजाब के इलाके में भेजने वाला था।

जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में पुलिस अफीम तस्करी के आरोप में चार तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर के पास से 33 लाख नकद भी बरामद हुआ था। गिरफ्तार चार में से तीन पंजाब का रहने वाला था जबकि एक तस्कर जो पूरे गिरोह का सरगना था वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। उत्तर प्रदेश का सरगना है अफीम की खरीदारी को लेकर डील कर रहा था।

अफीम के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस को कई जानकारी मिली है। अफीम तस्करों ने उत्तर प्रदेश को अपना नया ठिकाना बनाया है और वहीं से कारोबार को संचालित कर रहे है। अफीम की प्रत्येक खेप की तस्करी में उत्तर प्रदेश का एक व्यक्ति शामिल हो रहा है। उत्तर प्रदेश के ही गैंग झारखंड के विभिन्न इलाकों में स्थानीय तस्करों से खरीद बिक्री की डील कर रहे है। गिरफ्तार तस्करों ने पुलिस को बताया है कि स्थानीय तस्करों से संपर्क किया जाता है और बाद में दूसरे राज्यों को गैंग से संपर्क कर उन्हें सप्लाई दी जाती है। कई मामलों में उत्तर प्रदेश के गैंग सिर्फ बिचौलिया की भूमिका निभाते है।

हाल के दिनों में एक ट्रेंड देखने को मिला है कि पंजाब, हरियाणा को छोड़कर उत्तर प्रदेश के इलाके के तस्कर पकड़े गए है। कुछ दिनों पहले पलामू के पिपराटांड़ के इलाके में कुछ संदिग्धों को पकड़ा गया था जो उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। लेस्लीगंज में गिरफ्तार तस्कर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और कई मामलों में उत्तर प्रदेश से लिंक जुड़ा है। पुलिस पूरे मामले में कार्रवाई कर रही है और कई तरह की जानकारी मिली है। पुलिस को कई नाम भी मिले हैं जिनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पूरे नेटवर्क के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। -रीष्मा रमेशन, एसपी, पलामू।

अफीम तस्करों ने उत्तर प्रदेश को तस्करी के लिए नया ठिकाना बनाया गया है। झारखंड के इलाके से उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी आसान। झारखंड के पलामू और गढ़वा से उत्तर प्रदेश जाना बेहद ही आसान है। अफीम तस्कर ट्रेन और निजी गाड़ी के माध्यम से अफीम की तस्करी करते हैं।

गढ़वा के इलाके से तस्कर उत्तर प्रदेश के इलाके में दाखिल होते हैं जबकि पलामू के इलाके से होते हुए कई ट्रेन उत्तर प्रदेश के इलाके में दाखिल होते है। पलामू के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर बड़े शहरों की तरह यात्रियों के सामानों की जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है जिसका फायदा तस्कर भी उठाते है।

झारखंड का पलामू का इलाका अफीम के अलावा गांजा की तस्करी का बड़ा जंक्शन रहा है। पलामू के इलाके से उत्तर भारत को आपस में जोड़ने वाले जीटी रोड एवं ट्रेन की कनेक्टिविटी बेहद ही आसान है। ओडिशा का संबलपुर का गांजा तस्करी का गैंग झारखंड में लोहरदगा के कुडू और पलामू को अपना दूसरा ठिकाना बनाता है। इसका खुलासा पहले भी पलामू पुलिस की कार्रवाई में हुआ है। अब इसी रूट का इस्तेमाल अफीम के तस्कर करने लगे है। झारखंड के खूंटी एवं रांची के इलाके के अफीम के तस्कर कुडू से बालूमाथ चतरा होते हुए जीटी रोड तक जाते है या पलामू होते हुए जीटी रोड तक जाते है। गांजा एवं अफीम के तस्करी का बड़ा नेटवर्क टोरी रेलवे स्टेशन के इलाके में भी सक्रिय है।

अफीम के इस नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस ने नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर निगरानी को बढ़ाया है। संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है और उनपर नजर भी रखी जा रही है। पलामू पुलिस को इससे संबंधित कई जानकारी भी मिली है। पुलिस नंबर प्लेट के माध्यम से संदिग्धों की पहचान कर रही है एवं उनके खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई, युवक और युवती की हुई मौत

लातेहार, एजेंसी। जिले में रविवार की सुबह मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक और एक युवती की मौत हो गई। घटना बालूमाथ थाना क्षेत्र के ओल्हेपाट गांव के पास घटी है। मृतक युवक की पहचान टंडवा निवासी अनुज उरांव और युवती की पहचान लवागड़ा हेरहंज निवासी पूनम कुमारी के रूप में हुई है। दोनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। दरअसल, लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बालू गांव में शनिवार को जतरा मेला का आयोजन किया गया था। पूनम कुमारी और अनुज उरांव मेला देखने गए थे। मेला की समाप्ति के बाद रात में दोनों गांव में ही रुक गए थे।

रविवार की सुबह मोटरसाइकिल पर सवार होकर दोनों बालूमाथ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ओल्हेपाट गांव के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पर सवार युवक और युवती की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

हालांकि, घटना की जैसे ही जानकारी मिली वैसे ही थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम 108 एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंची और दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टर संजय सिद्धार्थ ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉ। संजय सिद्धार्थ ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो चुकी थी।बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस घटना में युवक और युवती की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

बीएलए नियुक्ति में कोताही; 18 जिलों में एक भी एजेंट नहीं, सीईओ ने दलों को लगाई फटकार

रांची, एजेंसी। मतदाता सूची में किसी तरह की विसंगतियां होती हैं तो राजनीतिक दल तरह-तरह के आरोप लगाते हैं। मतदाता सूची के होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के लिए राजनीतिक दलों द्वारा बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति इसलिए जरूरी है ताकि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को और भी पारदर्शी बनाया जा सके।

लेकिन बीएलए नियुक्त करने में राजनीतिक दल उदासीन हैं। स्थिति यह है कि राज्य के 24 जिलों में 6 जिलों में ही विभिन्न राजनीतिक दलों ने कमोबेश अपने-अपने बीएलए नियुक्त किए हैं। वह भी सभी मतदान केंद्रों के लिए नहीं। 18 जिलों में किसी भी दल ने बीएलए नियुक्त करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। आजसू, बसपा, आप, सीपीआइ-एम ने तो एक भी बीएलए की सूची आयोग को नहीं सौंपी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने इसपर चिंता जताते हुए सभी राजनीतिक दलों से सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलए नियुक्त करने का आग्रह किया है।उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से कहा है कि वे बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति में तेजी लाएं। उन्होंने राजनीतिक दलों को एक पत्र जारी कर कहा कि यह काम बहुत धीमा चल रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों एवं इसकी प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे किसी प्रकार की विसंगति को संज्ञान में लाया जा सके एवं राजनीतिक दलों की सक्रिय सहभागिता हो सके। इसके लिए उनके द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से पूर्व में भी विभागीय पत्रों के माध्यम से एवं विभाग में आयोजित बैठक में बीएलए की नियुक्ति करने का आग्रह किया गया है, लेकिन अभी तक अधिसंख्य राजनीतिक दलों द्वारा उक्त संदर्भ में नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी है।

खूंटी में भी बगैर लाइसेंस चल रहा ब्लड बैंक, रोजाना 10 यूनिट ब्लड की है खपत

खूंटी, एजेंसी। चाईबासा के सदर अस्पताल में एचआईवी संक्रमित खून थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को चढ़ाने के बाद पूरे राज्य के स्वास्थ्य सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। सरकार के निर्देश पर जांच की जा रही है। बावजूद इसके खूंटी जिले में भी सदर अस्पताल में बगैर लाइसेंस के ब्लड बैंक संचालित हो रहा है। हालांकि सिविल सर्जन ने रिन्युअल के लिए आवेदन करने का दावा किया है। उनका कहना है कि सरकार के स्तर से ही अबतक रिन्युअल नहीं हो सका है, लेकिन जल्द ही होने की संभावना है।

आदिवासी बहुल खूंटी जिले में 65 से अधिक मरीज थैलेसीमिया और एनीमिया के चिन्हित किये गए हैं, जिसमें रोजाना 10 से अधिक यूनिट खून की खपत होती है। सबसे ज्यादा खून सिकलसेल, थैलेसीमिया और एनीमिया के मरीजों को दिया जाता है। उसके बाद गर्भवती महिलाएं एवं अन्य ऑपरेशन में खपत होता है। सिविल सर्जन के अनुसार, जिले में खून की कमी के मामले सबसे अधिक हैं और इस तरह के मरीज ज्यादातर अस्पताल पहुंचते हैं। इसके अलावा रोजाना 500 से अधिक मरीज मलेरिया, टाइफाइड, सर्दी-खांसी, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज सहित ब्रेनहैमरेज के शामिल हैं।

सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी ने बताया कि जिले के एकमात्र ब्लड बैंक में ब्लड रेफ्रिजरेटर में रखा जाता है। डोनेट करने वालों के ब्लड को टेस्टेड एवं अनटेस्टेड करके रख दिया जाता है, उसके बाद ही पूरी प्रक्रिया के तहत किसी मरीज को ब्लड दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि ब्लड बैंक में किसी तरह के किट से नहीं बल्कि जो स्टैंडर्ड मशीन लगी हुई है उसमें ब्लड जांच की पूरी प्रक्रिया की जाती है। इस जांच के दौरान मलेरिया, एचआईवी, फाइलेरिया, हेपेटाइटिस ८, क्क तथा ष्ट, डायबिटीज सहित लगभग बीमारियों की जांच की जाती है। डोनेट करने वालों के ब्लड की जांच के साथ-साथ मरीजों के ब्लड की भी जांच होती है, जिनको ब्लड चढ़ाया जाना है। सिविल सर्जन ने बताया कि चाईबासा घटना के बाद जिले में स्वास्थ्य विभाग ने पूरी सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है और मरीजों की जांच के बाद ही आगे की प्रक्रिया की जा रही है। खूंटी में हर रोज मलेरिया, टाइफाइड, सर्दी खांसी और ब्लडप्रेशर, डायबिटीज सहित ब्रेन हेमरेज के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं।

शहर पर टूटा जंगली बंदरों का कहर, वन विभाग ने चलाया विशेष अभियान

देवघर, एजेंसी। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर इन दिनों जंगली बंदरों के आतंक से दहशत में है। कभी सड़क पर आवारा सांड और कुत्ते लोगों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं। अब बंदरों का झुंड लोगों के सिरदर्द का कारण बन गया है।

पिछले एक सप्ताह में दो जंगली बंदरों ने शहर के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में कई लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। यहां तक कि बाबा मंदिर परिसर जैसे पवित्र स्थल पर भी इन बंदरों का आतंक देखने को मिला।

वन विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की, जिसने अलग-अलग इलाकों में बंदरों की तलाश कर उन्हें पकड़ने का अभियान चलाया। देवघर के जिला वन पदाधिकारी अभिषेक भूषण ने बताया कि ये बंदर अपने समूह से बिछड़कर शहर के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पहुंच गए। वन विभाग की सतर्कता से दोनों बंदरों को काबू में लेकर निगरानी के बाद जंगल में छोड़ दिया गया।

उन्होंने कहा कि विभाग ने जंगली जानवरों से लोगों की सुरक्षा के लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया है, जिस पर सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम तुरंत सक्रिय होती है। इस टीम में मंकी कैचर और स्नेक कैचर जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं, जो इन जंगली जीवों को सुरक्षित पकड़कर जंगल में वापस छोड़ने का काम करते हैं।

डीएफओ अभिषेक भूषण ने बताया कि देवघर में मंदिरों की अधिकता और प्रसाद की सुगंध के कारण बंदर अक्सर इन धार्मिक स्थलों की ओर आकर्षित होते हैं। आने वाले दिनों में वन विभाग ऐसी टीमों को और सशक्त करेगा ताकि किसी भी जंगली जीव की वजह से आम नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे।

देवघर शहर के चारों ओर फैले पहाड़ और घने वृक्षों से घिरे जंगल बंदरों के लिए प्राकृतिक आवास हैं। लेकिन जैसे-जैसे शहर का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे ये जंगली जीव इंसानी बस्तियों में प्रवेश करने लगे हैं। फिलहाल दो जंगली बंदरों को पकड़कर वन विभाग ने राहत की सांस ली है, मगर आने वाले समय में यह समस्या देवघर के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

पलामू में फायरिंग, आपसी वर्चस्व को लेकर चली गोली

पलामू, एजेंसी। जिला में मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के मुस्लिम नगर में पानी टंकी के पास फायरिंग की घटना हुई है। इस फायरिंग की घटना में गोली किसी को नहीं लगी है लेकिन पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा और एक जिंदा गोली बरामद किया है। फायरिंग की घटना जमीन विवाद एवं आपसी वर्चस्व में बताई जा रही है।

इस पूरे मामले में छोटू चंद्रवंशी और किशु गुप्ता नामक युवकों ने टाउन थाना में इमरान कुरैशी नामक युवक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया है। जबकि फायरिंग को लेकर हिकमतियार नामक युवक ने भी टाउन थाना में आवेदन दिया है और आधा दर्जन के करीब आरोपियों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

इसको लेकर मेदिनीनगर टाउन थाना ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि फायरिंग की घटना के मामले में पुलिस अनुसंधान कर रही है और नामजद एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस को फायरिंग से जुड़ा हुआ सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। जिसमें एक आरोपी फायरिंग करते हुए नजर आ रहा है।

शनिवार की सुबह हैदरनगर हाई स्कूल के मैदान के बगल सड़क में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब दो बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी युवक की पहचान नीरज चंद्रवंशी उर्फ मंटू (22 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक का घर हाई स्कूल मैदान के बगल में है। ये वारदात सुबह करीब 7।30 बजे के की बताई जा रही है। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इसकी सूचना मिलते ही हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुटे हैं। फिलहाल इलाके में सनसनी का माहौल है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

भगवान बिरसा मुंडा के विचार अपनाएं : दत्तात्रेय होसबाले ने 150वीं जयंती पर कहा- विभाजनकारी विचारधारा के लोग फैला रहे हैं गलत भ्रांतियां

18

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि विभाजनकारी विचारधारा के लोगों द्वारा भारत के संदर्भ में जनजाति समुदाय को लेकर भ्रांति और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जा रहा है।

ऐसे समय में भगवान बिरसा मुंडा की धार्मिक और साहसिक पराक्रम की गाथाएं भ्रांतियों को दूर करते हुए समाज में स्वबोध, आत्मविश्वास और एकात्मता को दृढ़ करने में सदैव सहायक सिद्ध होगी।

वह जबलपुर में आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के दूसरे दिन शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर अपनी बात रख रहे थे।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर संघ स्वयंसेवकों सहित संपूर्ण समाज से आह्वान करता है कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवनकृत्य और विचारों को अपनाते हुए ÷स्व बोध÷ से युक्त संगठित और स्वाभिमानी समाज के निर्माण में अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि भारत के गौरवशाली स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों व योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय रहा है। बिरसा मुंडा का इस स्वतंत्रता संग्राम के श्रेष्ठतम नायकों, योद्धाओं में विशेष स्थान है।

15 नवंबर 1875 को खूंटी के उलीहातु में जन्मे भगवान बिरसा को लगभग 10 वर्ष की आयु में चाईबासा मिशनरी स्कूल में प्रवेश मिला। मिशनरी स्कूलों में जनजाति छात्रों को उनकी धार्मिक परंपराओं से दूर कर ईसाई मत में मतांतरित करने के षड़यंत्र का उन्हें अनुभव हुआ।

इस बीच केवल 15 वर्ष की आयु में ईसाई मिशनरियों के षडयंत्रों को समझते हुए उन्होंने अपनी धार्मिक अस्मिता और परंपराओं की रक्षा के लिए संघर्ष प्रारंभ कर दिया। मात्र 25 वर्ष की आयु में भगवान बिरसा ने सांस्कृतिक पुनर्जागरण की लहर पैदा कर दी। उनके आंदोलन का नारा ÷अबुआ दिशुम-अबुआ राज÷ (हमारा देश-हमारा राज) युवाओं के लिए एक प्रेरणा मंत्र बन गया, जिससे हजारों युवा ÷स्वधर्म÷ और ÷अस्मिता÷ के लिए बलिदान देने हेतु प्रेरित हुए।

जनजातियों के अधिकारों, आस्थाओं, परंपराओं और स्वधर्म की रक्षा के लिए भगवान बिरसा ने अनेक आंदोलन व सशस्त्र संघर्ष किए। इसी बीच वह पकड़ लिए गए और मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में कारागार में दुर्भाग्यपूर्ण और संदेहास्पद परिस्थिति में उनकी मौत हो गई। उनका बलिदान स्वाधीनता संघर्ष में जनजातियों के योगदान का उदाहरण बनते हुए संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया है। उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है।

गुरु तेगबहादुर के जीवन से प्रेरणा लेने की है जरूरत

सिख परंपरा के नवम गुरु, गुरुतेगबहादुर के बलिदान को याद करते हुए सरकार्यवाह ने अपने वक्तव्य में कहा कि बलिदान के उनके 350वें वर्ष पर विभिन्न धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं सहित भारत के संपूर्ण समाज द्वारा श्रद्धा एवं सम्मान के साथ अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है।

भारतीय परंपरा के इस दैदीप्यमान नक्षत्र की शिक्षाएं और उनके आत्मोत्सर्ग का महत्व जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी स्वयंसेवकों सहित संपूर्ण समाज से आह्वान करता है कि उनके जीवन के आदर्शों और मार्गदर्शन का स्मरण करते हुए अपने-जीवन का निर्माण करें एवं इस वर्ष आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में श्रद्धापूर्वक भागीदारी करें।

लहसुन की खेती

लहसुन एक पाला सहिष्णु फसल है। इसके लिए विकास की अवधि में ठंडी व नम जलवायु की आवश्यकता होती है जबकि इसके पकने की अवस्था में गर्म व सूखा मौसम होना आवश्यक है। इस फसल को विभिन्न प्रकार की मिट्टियों में लगाया जा सकता है। परन्तु अच्छी उपजाऊ दोमट मिट्टी जिसमें पानी का उचित निकास हो लहसुन के लिए उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी तथा रोपाई

भूमि को 4–5 बार जुताई कर अच्छी तरह तैयार कर लें। भूमि को समतल कर क्यारियां बना लें ताकि सिंचाई ठीक ढंग से हो सके। सिंचाई के लिए नालियां भी साथ–साथ बनायें। अधिकांश क्षेत्रों में लहसुन की रोपाई सितम्बर मध्य से नवम्बर तक की जाती है। पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 15 से.मी. तथा कली से कली की दूरी 8–10 से.मी. रखें। इस प्रकार एक हेक्टर में लगभग 6.6 लाख पौधे आयेंगे। एक हेक्टेर में 500 से 700 कि.ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। कली बोते समय उसका नुकीला भाग ऊपर की तरफ रहना चाहिए।

किस्में

लहसुन की प्रमुख किस्में जमुना सफेद–5, गोदावरी, श्वेता, एच.जी–1, एचजी–6, पूसा सलेक्शन–10, एल.सी.जी.–1, ए.आर.यू.–52, एग्रीफाउंड सफेद (जी–41), यमुना सफेद (जी–1), यमुना सफेद–2 (जी–50), जी–282 व एग्रीफाउंड पार्वती है। निर्यात के लिए जी– 282 व एग्रीफाउंड पार्वती उपयुक्त रहती है। क्योंकि इनके कंद (बल्व) आकार में बड़े रहते हैं।

खाद व उर्वरक

अंतिम जुताई के पूर्व खेत में 50 टन अच्छी सड़ी गोबर की खाद डालकर भूमि में मिला दें, लहसुन बोते समय 50 किलो नत्रजन, 50 किलो फास्फोरस तथा 50 किलो पोटाश प्रति हेक्टर आधार खाद के रूप में दें। एक माह की फसल होने पर 50 किलो नत्रजन प्रति हेक्टर खड़ी फसल में डालें।

निराई-गुड़ाई

लहसुन की फसल को 2–3 बार निराई–गुड़ाई की आवश्यकता होती है। पहली निराई–गुड़ाई फसल बोने के एक माह बाद करें। दूसरी उसके एक माह बाद तथा तीसरी आवश्यकतानुसार करें। फसल में लगभग ढाई माह बाद कंद (बल्व) बनते समय एक गुड़ाई हेण्ड व्हील हो द्वारा अवश्य करें ताकि बल्वों का विकास अच्छा हो सके।

सिंचाई

लहसुन उथले जड़ वाली फसल है इसको लगातार सिंचाई की आवश्यकता होती है ताकि भूमि के ऊपरी भाग में भी नमी बनी रहे। बल्वों के विकास के समय भी भूमि में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। साधारणतः मिट्टी व जलवायु के आधार पर 8–15 दिनों के अंतर से सिंचाई देते रहना चाहिए। फसल जब पकने की अवस्था में पहुंच जाय तो सिंचाई रोक देनी चाहिए।

पौध संरक्षण

लहसुन की फसल को निमोटोड, कीट तथा बीमारियों से हानि पहुंचने की सम्भावना बनी रहती है। इसलिए फसल का समय – समय पर निरीक्षण करते रहना आवश्यक है।

निमोटोड लहसुन की जड़ों, बल्व तथा तने को हानि पहुंचाता है जिससे इसकी उपज में बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। जिन क्षेत्रों में निमोटोड का प्रकोप वर्ष प्रति वर्ष होता है वहां फसल चक्र अपनायें तथा लहसुन की बोनी के पूर्व डाईक्लोरोप्रोपेन – डाइक्लोरोप्रोपान (डी.डी.) से भूमि को ध्रुवन (फ्यूमिगेट) कर लें।

कीटों में थ्रिप्स लहसुन का प्रमुख शत्रु है। इसके शिशु तथा वयस्क पत्तियों को खुरचकर रस चूसते हैं, जिससे पत्तियां चांदी की तरह सफेद दिखाई देती हैं। इसके नियंत्रण के लिए ट्राइजोफास 40 ई.सी. का 500 मि.ली. प्रति हेक्टर मान से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

लम्बे समय संग्रहित लहसुन में माइट का प्रकोप भी देखने को मिलता है। इसके नियंत्रण के लिए मिथाइल ब्रोमाइड (1 लीटर / 1000 वर्ग फीट) से गोदाम को फ्यूमिगेट करें।

लहसुन की बीमारियों में सफेद सड़न, पेनिसिलियम द्वारा सड़न, स्टेमफाइलम झुलसा, बैंगनी धब्बे, लीफ ब्लाइट, भभूतिया रोग तथा मोजेक प्रमुख हैं। फसल को स्वस्थ रखने के लिए 15–15 दिन के अंतर से मेंकोजेब के 0.25 प्रतिशत घोल का छिड़काव करते रहें बीमारी अनुसार उपचार करें। लहसुन में कभी–कभी पौधों में कुछ विकृतियां आ जाती हैं जो कुछ किस्मों में ही देखने को मिलती है यह स्थायी नहीं रहती है।

उपज

4–5 माह में लहसुन की फसल तैयार हो जाती है। कंदों की खुदाई के अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करें। एक हेक्टर में लहसुन की 100 से 200 क्विंटल फसल प्राप्त हो जाती है।

वर्तमान समय में प्राकृतिक असंतुलन के चलते मौसम में भारी अनिश्चितता व्याप्त है। वर्षा की मात्रा, अवधि और समय निश्चित नहीं रह गया है। खरीफ के सीजन में किसानों के पास इतना समय नहीं होता है कि वे किसी फसल विशेष के अनुसार व्यवस्था कर सकें। सोयाबीन को ही लें, यह ऐसी फसल है, जो अनावृष्टि अथवा अतिवृष्टि से अत्यधिक प्रभावित होती है।

सबसॉइलर चलाएं, विपरीत मौसम में अच्छा उत्पादन पाएं

समय पर वर्षा न होना, अतिवृष्टि के साथ खेतों में पानी भर जाना – यदि ऐसी स्थितियां निर्मित हो जाएं तो किसान को अपेक्षित मात्रा में उत्पादन नहीं मिल पाता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए खेतों में सबसॉइलर चलाएं। विपरीत मौसम में अपने खेतों में सबसॉइलर चलाकर किसान अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।

कैसे करे सबसॉइलर का उपयोग

सबसॉइलर खेतों को गहराई तक हलने वाला यंत्र है। सबसॉइलर से खेत में नाली बनाने के लिए 55 हार्सपॉवर के ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है। इसकी सहायता से किसान अपने खेतों में ढाई इंच चौड़ी एवं ढाई फुट गहरी नाली बना सकते हैं। सबसॉइलर की कम से कम 15 फीट के अंतर से नाली बनाएं। खेतों में सबसॉइलर चलाने का सही समय 15 मई से 30 मई के बीच होता है। रबी मौसम के पश्चात गेहूं और चना की फसल निकलने के पश्चात सबसॉइलर चलाया जा सकता है।

कल्टीवेटर से तैयार करें खेत

किसान इस बात का विशेष ध्यान रखें कि सबसॉइलर से नाली बनाने के पश्चात किसान कल्टीवेटर से खेत तैयार करें। जहां तक संभव हो, पंजे का इस्तेमाल नहीं करें। यदि कल्टीवेटर चलाते हैं तो जमीन में पानी तेजी से उतरता है।

बरतें सावधानी

जहां तक संभव हो पंजा नहीं चलाएं, पंजा चलाने से पानी धीमे–धीमे जमीन में उतरता है। ऐसा देखा गया है, पंजा खेत में हार्ड लेयर का निर्माण करता है, इससे पानी खेत में रुक जाता है। पंजे से तैयार खेत में पानी या तो खड़ा रहता है अथवा तेजी से बह जाता है। अतिवृष्टि के दौरान जब खेत से पानी तेजी से बहता है तो वह मिट्टी का क्षरण करता है। तेज बहता पानी अपने साथ उपजाऊ मृदा, पोषक तत्व आदि भी बहा ले जाता है। कई बार पानी के साथ बीज भी बह जाते हैं, अथवा बीज पर अतिरिक्त मिट्टी चढ़ने से जमीन में अधिक गहराई में चले जाते हैं और अंकुरण नहीं होता। दोबारा बोवनी करनी पड़ती है, खर्च बढ़ता है। दूसरी ओर, यदि लंबे समय तक खेत में पानी खड़ा रहता है तो सोयाबीन फसल की जड़ों में बनने वाली गठानें विकसित नहीं हो पाती हैं। इस दशा में सोयाबीन फसल वातावरण में उपलब्ध नाइट्रोजन तत्व नहीं खींच पाती है। ऐसे में फसल पीली पड़ जाती है। किसानों को अतिरिक्त उर्वरक जैसे डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) आदि का उपयोग करना पड़ता है और खर्च बढ़ता है।

बीबीएफ पद्धति अपनाएं

खेत तैयार होने के पश्चात सोयाबीन का अच्छा उत्पादन लेने के लिए किसान ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति से बोवनी करें। इसके लिए किसान दो नाली वाली बीबीएफ मशीन का उपयोग करें। जहां तक संभव हो बेड के ऊपर 4 अथवा 5 कतार में ही बोवनी की जाए। किसान नाली से नाली की दूरी 220 सेंटीमीटर रखे। इससे 200 सेंटीमीटर के बेड का निर्माण होता है। किसान पौधे से पौधे की दूरी भी नियंत्रित करें।

बीज परीक्षण जरूरी

सोयाबीन के बीज बहुत संवेदनशील होते हैं, जिनकी अंकुरण क्षमता तापक्रम के अनुसार तेजी से प्रभावित होती है। इसलिए किसान बीज परीक्षण करके ही बोवनी करें। बुवाई करने के पूर्व बीजोपचार अवश्य करें ताकि भली प्रकार अंकुरण हो। अधिक जानकारी के लिए सोयाबीन अनुसंधान केंद्र, इंदौर पर संपर्क किया जा सकता है।

सबसॉइलर के लाभ

सबसॉइलर एवं कल्टीवेटर से खेत तैयार करने से दोहरा लाभ मिलता है। किसान जब खेतों में सबसॉइलर चलाकर ढाई फीट गहरी नाली का निर्माण करते हैं तो वर्षा काल में बरसा पानी सीधे जमीन में उतर जाता है। सामान्य से अधिक पानी बरसने पर भी बेड पर खड़ी फसलों को हानि नहीं होती है। वहीं, दूसरी ओर ये पानी जमीन के नीचे संग्रहित रहता है। वर्षा की लंबी खेंच की स्थिति निर्मित हो, ऐसे में फसल को जब पानी की आवश्यकता हो तो यही वर्षा जल जीवनदायी साबित होता है। सोयाबीन में पुष्पन और फलन की दशा में जब पानी की अत्यंत आवश्यकता होती है, यही पानी धीरे–धीरे ऊपर उठता है। फसल को लंबे समय तक आपूर्ति करके जीवित रखता है, पौधों में तनाव नहीं बढ़ने देता। इस प्रकार सोयाबीन फसल प्रभावित नहीं होती। पीली नहीं पड़ती। इस प्रकार सबसॉइलर चलाने से किसानों को उत्पादन में कमी नहीं आती है। किसान इस बात की विशेष सावधानी रखें कि जहां धान की फसल लेनी हो, उस खेत में सबसॉइलर नहीं चलाएं। साथ ही ऐसे खेत जहां मुरम हो या जमीन पथरीली हो वहां भी सबसॉइलर उपयोगी नहीं है। किसान इस यंत्र को खेत के 1–2 बीघा रकबे के हिस्से में चलाकर पूर्व में इससे होने वाले फायदे–नुकसान को परख सकते हैं।

60 प्रतिशत गिरा टाटा केमिकल्स का मुनाफा

ब्रोकरेज ने कहा– शेयर में है दम, खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा केमिकल्स ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले इसी अवधि में उसका प्रॉफिट 194 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3.05 प्रतिशत घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। टाटा केमिकल्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने कहा, सोडा ऐश बाजारों में आपूर्ति की अधिकता बनी हुई है और अधिकांश क्षेत्रों में भंडार का स्तर ऊंचा है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं। चूंकि मांग-आपूर्ति संतुलन कमजोर बना हुआ है, इसलिए हमारा अनुमान है कि मध्यम अवधि में बाजार सीमित दायरे में रहेगा। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण बाजार में आई चुनौतियों के बावजूद बिक्री बढ़ने के कारण कंपनी का एकल प्रदर्शन सकारात्मक रहा और समग्र प्रदर्शन अनुशासित लागत प्रबंधन के कारण लचीला रहा है। बीते शुक्रवार को टाटा केमिकल्स के शेयर की बात करें तो 1.10 प्रतिशत टूटकर 890.75 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर को लेकर बीते दिनों एक ब्रोकरेज ने नया टारगेट प्राइस भी दिया था। घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने टाटा केमिकल्स पर एड रेटिंग के साथ कवरेज शुरू किया है और सितंबर 2026 के लिए 970 प्रति शेयर का टारगेट प्राइस निर्धारित किया है। कंपनी ने सोडा ऐश व्यवसाय में मजबूत विकास संभावनाओं और रणनीतिक परिचालन कदमों का हवाला देते हुए यह टारगेट दिया है। नवंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,164.65 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2025 में शेयर 756.45 रुपये तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

पेंशन पाने वालों को इसी महीने जमा करना होगा लाइफ सर्टिफिकेट

● आधार ऑथेंटिकेशन होता है ● घर पर कैसे मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट भारत सरकार की एक योजना है। इसमें ध्यान रखा जाता है कि पेंशनर्स को लाइफ सर्टिफिकेट प्राप्त करने में कोई असुविधा नहीं हो। उन्हें घर बैठे और आसान तरीके से यह प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कुछ एजेंसियों को अधिकृत किया गया है। ये एजेंसिया पेंशनर्स के घर जा कर भी प्रमाणपत्र जारी करती हैं। जीवन प्रमाण पेंशनर्स के लिए एक डिजिटल सर्विस है जो बायोमेट्रिक तरीके से ऑथेंटिकेट कर उन्हें लाइफ सर्टिफिकेट प्रदान करता है। यह प्रमाणपत्र होते ही पेंशनर्स के संबंधित बैंक या पोस्टल पेमेंट बैंक के पास उनके जीवित होने की सूचना डिजिटल तरीके से पहुंच जाती है। उसके बाद उनके खाते में निर्बाध तरीके से पेंशन क्रेडिट होना जारी रहता है।

जीवन प्रमाण में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। आपको जानकारी होगी ही कि हर साल पेंशन लेने वाले बुजुर्गों को अपनी पेंशन लगातार पाने के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी होता है। अब सरकार ने इसे और आसान बना दिया है। बुजुर्ग अपने घर बैठे ही जीवन प्रमाण पत्र

जमा कर सकते हैं, इसके लिए 'डोरस्टेप बैंकिंग' और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

अब पब्लिक सेक्टर बैंक एलायंस की डोरस्टेप बैंकिंग सर्विसेज के जरिए बुजुर्ग अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र घर बैठे जमा कर सकते हैं। यह सुविधा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है। आप अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क करें, या पोस्ट जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए रिक्वेस्ट डालें। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए कोई डोरस्टेप शुल्क नहीं। सफल डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट या डीएलसी के निर्माण पर केवल 70 रुपये (जीएसटी सहित) का शुल्क देश होगा। हालांकि सरकारी बैंक या पीएसबी गठबंधन में 60 साल और उससे ऊपर के बुजुर्गों के लिए यह सुविधा मुफ्त है। जीवन प्रमाण सफलतापूर्वक बनने के बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भेजा जाएगा। इसके बाद ट्रांजैक्शन आईडी का उपयोग कर प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। यही प्रमाणपत्र पेंशनर्स के जीवति होने का प्रमाणपत्र है और इससे साल भर पेंशनर्स के खाते में पेंशन क्रेडिट होते रहेगा।

डोरस्टेप सर्विस लेने के लिए जरूरी चीजें

यदि आप जीवन प्रमाण के लिए डोरस्टेप सर्विस लेना चाहते हैं तो कुछ जरूरी चीजों का आपको ध्यान रखना होगा। सबसे पहले आपका आधार नंबर एक्टिव होना चाहिए और पेंशन खाते से लिंक होना चाहिए। साथ ही मोबाइल नंबर बैंक या डाकघर में रजिस्टर्ड होना चाहिए। इसके साथ ही पेंशन की जानकारी जैसे पीपीओ नंबर, पेंशन का प्रकार और भुगतान एजेंसी तैयार रखें। पेंशनर्स को हर साल इस समय लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। इसमें 60 साल से 80 साल तक के पेंशनर्स के लिए यह सर्टिफिकेट जमा करने का तय समय एक नवंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 है। हां, जिन पेंशनर्स की उम्र 80 साल या इससे ज्यादा हो चुकी है, उन्हें एक अक्टूबर 2025 से लेकर एक नवंबर 2025 तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने का वक्त दिया गया है।

व्यापार समझौते पर ट्रंप-शी में सहमति, आर्थिक सहयोग पर 21 देश राजी

चुनौतियों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में सहमति बनने के बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने शनिवार को वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। इस दौरान क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने संबंधी बयान भी जारी किया गया। नेताओं ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने व साझा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा को लेकर शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद 'एपेक' नेताओं ने एक साझा बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका-चीन) के बीच व्यापार तनाव से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया। इससे एक दिन पहले ही राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति ने व्यापार के मामले में बढ़ता तनाव घटाने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। ट्रंप ने एक दिन पूर्व जिनपिंग से हुई मुलाकात में चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती की बात कही और बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने व अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई। ट्रंप-शी में बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को घोषणा की कि चीन अगले साल नवंबर 2026 में एपेक आर्थिक नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं का 2026 का शिखर सम्मेलन शेन्झेन में आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका ने मोड़ा मुंह तो कई देशों ने किया भारत का बाहें खोलकर स्वागत

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, अमेरिका को एक्सपोर्ट काफी कम हो गया है। शुरू में माना जा रहा था कि इससे भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन ऐसा बहुत कम हुआ। अमेरिका ने टैरिफ के जरिए भारत के लिए रास्ते बंद किए तो दूसरे देशों ने भारतीय प्रोडक्ट का स्वागत किया।

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और समुद्री उत्पादों के निर्यात में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से मिली है। यह दिखाता है कि भारत अपने सामान को अलग-अलग देशों में बेच रहा है, सिर्फ अमेरिका पर निर्भर नहीं है। यूएई, वियतनाम, बेल्जियम और सऊदी अरब जैसे देशों में इन चीजों की मांग बढ़ी है। एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है। हालांकि अमेरिका अभी भी समुद्री उत्पादों के लिए सबसे बड़ा बाजार है जहां भारत ने 1.44 अरब डॉलर का निर्यात किया। लेकिन सबसे ज्यादा बढ़ोतरी वियतनाम में 100.4 फीसदी, बेल्जियम में 73.0 फीसदी और थाईलैंड में 54.4 फीसदी देखी गई। इससे पता चलता है कि भारत अपने समुद्री उत्पादों का व्यापार एशिया और यूरोप के कई देशों में फैला रहा है। चीन में भी 9.8 फीसदी, मलेशिया में 64.2 फीसदी और जापान में 10.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्यात में 8.6 फीसदी (136.5 मिलियन डॉलर) की वृद्धि हुई है, जो इसे भारतीय कपड़ों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय

कपड़ा निर्यात में यहां मारी बाजी

भारत के कपड़ा निर्यात भी पेरू और नाइजीरिया जैसे नए और उभरते बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान, भारत के कपड़ा निर्यात में 1.23 फीसदी की मामूली लेकिन सकारात्मक वृद्धि हुई है। यह कुल 28.05 अरब डॉलर रहा। यह वृद्धि अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी मांग के कारण हुई है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह कुल 4.83 अरब डॉलर रहा। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है।

एलजी नहीं, लेंसकार्ट का हाल टाटा कैपिटल जैसा ना हो जाए

ई दिल्ली, एजेंसी। पिछले महीने दो कंपनियों के आईपीओ की खूब चर्चा थी। पहली कंपनी टाटा पिटल और दूसरी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लमिटेड। इसमें से टाटा कैपिटल के आईपीओ ी सुस्त शुरुआत हुई थी। कहीं यही हाल ंसकार्ट का ना हो जाए। ग्रे मार्केट लेंसकार्ट के आईपीओ को लेकर डरा रहा है। बता दें, रिटेल िवेशकों की तरफ से लेंसकार्ट के आईपीओ को च्छा रिस्पॉन्स मिला है। जिसकी वजह से पहले िन ही रिटेल कैटगरी में आईपीओ पूरा भर गया । इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में ंपनी का आईपीओ कल शाम को 85 रुपये के ोमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 21.14 तिशत के लिस्टिंग गेन की ओर संकेत दे रहे हैं। लांकि, 31 अक्टूबर की तुलना में लेंसकार्ट के आईपीओ का जीएमपी 10 रुपये प्रति शेयर गिर ुका है। लेंसकार्ट के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 108 रुपये रहा है। इस स्तर पर यह आईपीओ ग्रे मार्केट में 28 अक्टूबर को था। लेंसकार्ट का आईपीओ शुक्रवार यानी 31 अक्टूबर को खुला था। पहले दिन ही आईपीओ को 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 1.32 गुना, क्यूआईबी कैटगरी में 1.42 गुना और एनआईआई कैटगरी में 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। लेंसकार्ट का आईपीओ अगले दो दिन यानी 4 नवंबर तक ओपन रहेगा। एंकर निवेशकों से लेंसकार्ट ने 3268.36 करोड़ रुपये जुटाए थे। लेंसकार्ट का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 30 अक्टूबर को खुला था। इस मेनबोर्ड सेगमेंट के आईपीओ का प्राइस बैंड 382 रुपये से 402 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी ने 37 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14874 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी राजस्व बजट अनुमान से अधिक रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की आर्थिक दिशा पर अहम संकेत देते हुए एसबीआई रिसर्च ने कहा है कि वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) में जीएसटी से होने वाली आय सरकार के बजटीय अनुमानों से ज्यादा होगी। रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में कर दरों के पुनर्गठन के बाद भी जीएसटी से होने वाला कुल राजस्व मजबूत स्थिति में रहेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में कर प्रणाली की स्थिरता का संकेत देता है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि हम अनुमान लगाते हैं कि वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी संग्रह बजट में तय अनुमान से अधिक रहेगा। रिपोर्ट ने यह आकलन जीएसटी परिषद द्वारा जारी विकास दर के अनुमानों के आधार पर किया है। इसमें बताया गया कि कर दरों में हालिया पुनर्गठन के बावजूद अधिकांश राज्यों को वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध लाभ मिलेगा।

जानें राज्यों की स्थिति

सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी दर पुनर्गठन के तहत अब चार स्तर की संरचना लागू है। शून्य प्रतिशत, पांच

प्रतिशत, 18 और 40 फीसद। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र को इस बदलाव से करीब छह प्रतिशत का लाभ होगा, जबकि कर्नाटक को 10.7 फीसद तक की बढ़ोतरी मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दरों के पुनर्गठन के बाद कुल मिलाकर राज्य नेट गेनर यानी लाभार्थी रहेंगे।

पूर्व आंकड़ों से मिला भरोसा

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में जुलाई 2018 और अक्टूबर 2019 के जीएसटी दर संशोधन के अनुभवों को भी जोड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, दरों में बदलाव के बाद शुरुआती महीनों में तीन से चार प्रतिशत की अस्थायी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन इसके बाद राजस्व में लगातार पांच से छह प्रतिशत मासिक वृद्धि होती है। अनुमान के मुताबिक, यह सुधार सालाना एक लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी में बदल सकता है।

मौजूदा जीएसटी आंकड़े

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल से अक्तूबर 2025 तक कुल संग्रह नौ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13.89 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। इस अवधि में सेंट्रल जीएसटी, स्टेट जीएसटी और इंटीग्रेटेड जीएसटी सभी में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सेस कलेक्शन में मामूली कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी महीनों में सरकार का राजस्व और मजबूत हो सकता है।

डीएफसीसीआईएल ने बढ़ाई रफ्तार

मालगाड़ी संचालन में 48 प्रतिशत उछाल, लागत घटी और रफ्तार बढ़ी

ई दिल्ली, एजेंसी।
ेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ी संचालन में 48 प्रतिशत ी जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। निगम ने बताया कि इस दौरान रीब एक टन माल को कुल 1.15 करोड़ किलोमीटर की ूरी तक पहुंचाया गया।

रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और चेयरमैन तीश कुमार ने शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित ीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस समारोह में यह ानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में ीएफसीसीआईएल ने औसतन प्रतिदिन 381 मालगाड़ियां लाई। कंपनी ने कहा कि भारत की कुल लॉजिस्टिक्स लागत गभग 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें ीएफसीसीआईएल के परिचालन ने लागत को जीडीपी के 4 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत तक लाने में हम योगदान दिया है।

समीक्षा अवधि के दौरान कुल 1,39,302 ट्रेनों का सफल ंचालन हुआ। इस दौरान ग्रॉस टन किलोमीटर 20,02,271 मिलियन और नेट टन किलोमीटर 11,49,79 मिलियन तक हुंच गया। संस्थान ने बताया कि इस साल ÷रुद्रा÷ नाम की श की सबसे लंबी मालगाड़ी 4.5 किलोमीटर लंबी, 354 गन और सात इंजन वाली को सफलतापूर्वक चलाकर नया तिहास रचा गया।

डीएफसीसीआईएल ने गतिक शक्ति कार्गो टर्मिनल्स

और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब्स के जरिए कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया है। मार्च 2025 में गोठांगम का उद्घाटन हुआ, जबकि न्यू दौद खान और न्यू अंकलेश्वर टर्मिनल भी शुरू किए गए।

ट्रक ऑन ट्रेन और हाई-स्पीड स्मॉल कार्गो सर्विस जैसी पहलें रेल परिवहन की दिशा में बड़ा बदलाव ला रही हैं। डीएफसीसीआईएल का कहना है कि इन पहलों से स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों से जोड़ने में मदद मिल रही है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला अधिक कुशल बन रही है और लॉजिस्टिक्स लागत में और कमी आ रही है।

सरकार से मिली छूट के बाद भी जीएसटी कलेक्शन 1.96 लाख रहा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अक्टूबर माह के जीएसटी कलेक्शन से जुड़े आंकड़ों को आज सरकार की तरफ से रिलीज कर दिया गया है। जारी डाटा के अनुसार अक्टूबर के महीने में 1.96 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। जोकि सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत अधिक है। बता दें, सरकार ने इन आंकड़ों को 1 नवंबर को जारी किया है। चार महीना पहले की तुलना में जीएसटी कलेक्शन इस बार अक्टूबर के महीने में 4.6 प्रतिशत घट गया है। वहीं, पिछले महीने की तुलना में जीएसटी कलेक्शन में इस बाक 1.8 लाख करोड़ रुपये रहा है। बता दें। आखिरी बार जीएसटी कलेक्शन मई के महीने में 2 लाख करोड़ रुपये को क्रॉस किया था।

375 सामानों पर हुई जीएसटी कटौती: रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल

सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है।

शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में नेट जीएसटी कलेक्शन लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6 प्रतिशत अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में टैक्स कलेक्शन क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है।

कितना हुआ जीएसटी रिफंड

जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर 2025 में नेट जीएसटी रेवन्यू 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत अधिक है।

रंजी ट्रॉफी

अर्जुन तेंदुलकर नहीं गोवा के लिए पहली पारी में इन बॉलर्स ने लिए ज्यादा विकेट

पंजाब ने पहली पारी में बनाए 325 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 में गोवा के खिलाफ पंजाब की टीम ने पहली पारी में 325 रन बनाए, लेकिन गोवा के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर अर्जुन तेंदुलकर नहीं रहे। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीता था और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था और इसके बाद उदय सहारन की कप्तानी पारी के दम पर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा।

अर्जुन तेंदुलकर को मिला एक विकेट– पहली पारी में गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने 27 ओवर गेंदबाजी की और इस दौरान उन्होंने 81 रन देकर एक विकेट लिया। अर्जुन ने इन 27 ओवर में 5 ओवर मेडन भी फेंके। गोवा के लिए पहली पारी में पंजाब के खिलाफ दर्शन मिसाल और धीरज गांवकर ने सबसे ज्यादा 3–3 विकेट हासिल किए जबकि मोहित को भी एक सफलता मिली जबकि ललित यादव ही एकमात्र ऐसे बॉलर रहे जिन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली।

पंजाब के कप्तान ने खेली शतकीय पारी– गोवा के खिलाफ पंजाब के कप्तान उदय सहारन ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम के लिए अहम 126 रन बनाए और वो दर्शन मिसाल की गेंद पर आउट हुए। उदय ने इस दौरान 306 गेंदों का सामना किया और कुल 11 चौके उनके बल्ले से निकले। टीम के विकेटकीपर सलिल अरोड़ा ने भी अहम पारी खेली और 7वें नंबर पर बैटिंग करते हुए 63 रन 180 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौकों के साथ बनाए। पंजाब के लिए प्रेरित दत्त ने निचले क्रम पर 29 रन जबकि मयंस मार्कंडे ने भी 25 रन का योगदान दिया।

इंडिया-ए वर्सेस साउथ अफ्रीका-ए

ऋषभ पंत शतक से चूके

11 चौके और 4 छक्के ठोक उड़ाए साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने चोट के कारण तीन महीने बाद मैदान पर शानदार वापसी की है। उन्होंने रविवार (2 नवंबर) को बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन इंडिया ए की दूसरी पारी में शतक से चूक गए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंडिया ए के कप्तान पंत 64 रन के स्कोर पर नाबाद थे। चौथे दिन शतक की

ओर बढ़ते हुए 113 गेंदों पर 90 रन बनाकर आउट हो गए। पंत ने 11 चौके और चार छक्के लगाकर साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे उड़ा दिए। टियान वैन वुरेन ने उनका विकेट लिया। इंडिया ए को 275 रन का लक्ष्य मिला है।

इंग्लैंड में पंत के पैर में चोट लग गई थी– इंग्लैंड में तेंदुलकर–एंडरसन ट्रॉफी के दौरान पंत के पैर में चोट लग गई थी। जुलाई के आखिर में चौथे टेस्ट में रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पेसर क्रिस वोक्स की गेंद उनके पैर पर लगी थी। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर एंबुलेंस से ले जाना पड़ा था। वह विकेटकीपिंग भी नहीं कर पाए। हालांकि, वह बल्लेबाजी के लौटे थे और जरूरत पड़ने पर दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार थे।

20 साल बाद थमा एक युग!

- स्टार भारतीय एथलीट रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा
- हुए भावुक भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के साथ उनके दो दशक से भी ज्यादा लंबे करियर का अंत हो गया है। रोहन बोपन्ना ने इंस्टाग्राम स्टोर पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद, अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी। मैंने भारत के कूर्ग जैसे छोटे से शहर से अपनी यात्रा शुरू की। मैंने सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी के लट्ठे काटे, स्टैमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों में दौड़ा। आज दुनिया के सबसे बड़े एरीना की रोशनी में खड़ा होना किसी सपने जैसा लगता है। '

स्टार खिलाड़ी ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरा, इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया, गिरकर दोबारा उठने की ताकत दी और तब लड़ना सिखाया जब अंदर से हार मान लेने का मन हुआ। सबसे बढ़कर, इसने मुझे हमेशा याद दिलाया मैंने क्यों शुरुआत की थी और मैं कौन हूं। ' यूएस ओपन के फाइनल के अलावा, बोपन्ना तीन और ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे। उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ साल के अंत में हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लिया था। साल 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीतने वाले 45 वर्षीय बोपन्ना ने कई डेविस कप मुकाबलों और ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। 43 वर्ष की आयु में उन्होंने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल भी जीता। रोहन बोपन्ना आखिरी बार पेरिस मास्टर्स 1000 में खेले थे, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ मिलकर खेला था।

स्टार फुटबालर के भारत दौरे को लेकर बड़ी खबर

केरल की जगह हैदराबाद का दौरा करेंगे मेसी

कोलकाता, एजेंसी। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है।' अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जायेंगे जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है । अर्जेंटीना टीम का कोच्चि में प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द हो गया है । केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने पहले कहा था कि यह मैच 17 नवंबर को होगा । नये कार्यक्रम के तहत अब मेसी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह

तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो । केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेसी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।' संशोधित कार्यक्रम के बारे में दत्ता ने कहा कि अहमदाबाद चरण की जगह हैदराबाद ने ली है। अहमदाबाद में होने वाला प्रायोजकों का कार्यक्रम अब मुंबई में होगा। उन्होंने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आयेंगे।' इससे पहले वह 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच के लिये भारत आये थे। इस बार उनके साथ उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज और रौड्रिगो डि पॉल भी आ रहे हैं। मेसी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जायेंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जायेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी–20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि, वे वनडे और टेस्ट में टीम के लिए योगदान देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि विलियमसन दिसंबर में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे। 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने 75 मौकों पर न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को दो आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016 और 2022) और एक फाइनल (2021) तक पहुंचाया। 35 वर्षीय विलियमसन 33 की औसत से 2575 रन बनाकर न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे अधिक पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 अर्धशतक और 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने एक बयान में कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे लंबे समय से पसंद है और मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को सीरीज के आगे बढ़ने और अपने अगले प्रमुख लक्ष्य, टी20 विश्व कप, के लिए स्पष्टता मिलती है। वहां बहुत सारी टी20 प्रतिभाएं हैं और अगला दौर इन खिलाड़ियों को क्रिकेट सिखाने और उन्हें विश्व कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने कहा कि मिचेल एक शानदार कप्तान और उनके नेतृत्व में टीम अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। अब इस प्रारूप में ब्लैक कैप्स को आगे बढ़ाने का समय आ गया है और मैं दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी विलियमसन ने कहा कि वह अपने वनडे और टेस्ट भविष्य को लेकर खुले विचारों वाले हैं और उनका पूरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर है, जो 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप इसके लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की सराहना करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में केन का प्रदर्शन और टी20 टीम के कप्तान के रूप में उनकी सेवा अभूतपूर्व रही है। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी, न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे खास टी20 पारियों में से एक थी। वेनिंक ने कहा कि केन की देखरेख में टी20 टीम ने बेहतरीन निरंतरता और सफलता का अनुभव किया है और वह निश्चित रूप से टीम को अच्छी स्थिति में छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने केन को स्पष्ट कर दिया है कि अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने पर उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा। वह टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

दो दशक का सफर पूरा

गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने शनिवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।'

'सभी को दिल से धन्यवाद'– अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

कैसा रहा करियर?

टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई–लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019–20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया। साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे। सुब्रतो कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने भारत की अंडर–19 टीम में शामिल किया।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, ईश सोढ़ी की हुई वापसी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। केन विलियमसन के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

है। चयनकर्ताओं ने ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं, लेकिन दो बड़े खिलाड़ियों- काइल जैमीसन और ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई है। 35 वर्षीय विलियमसन ने हाल ही में टी20 फॉर्मेट को अलविदा कहा था, ताकि वे वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उनकी जगह अब टीम का नेतृत्व मिचेल सैंटनर करेंगे। न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में नेथन स्मिथ को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अभी टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करना है। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'काइल जैमीसन पूरी तरह फिट हैं और नेट्स में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं, ईश सोढ़ी हमारे सबसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।' तेज गेंदबाज मैट हेनरी को सीरीज से आराम दिया गया है। हेनरी ने जिम्बाब्वे दौरे से अब तक हर मैच खेला है और अब उन्हें रिकवरी का मौका दिया गया है।

न्यूज़ीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, टिम रॉबिन्सन, जैकब डफी, नेथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

सीरीज की शुरुआत 5 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगी।

टिम डेविड ने मारा इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का

100-120 मीटर नहीं इतनी...129 मीटर तय की दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में टिम डेविड ने अपनी हिटिंग से दिल जीत लिया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया. गजब की बात ये है कि टिम डेविड ने इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे लंबा छक्का भी लगाया. टिम डेविड ने ये छक्का अक्षर पटेल के ओवर में लगाया. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि टिम डेविड ने 110, 120 मीटर नहीं बल्कि 129 मीटर का छक्का जड़ा जो कि इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का है. मेलबर्न टी20 में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 124 मीटर का छक्का लगाया था लेकिन अब टिम डेविड उनसे भी आगे निकल गए हैं.

टिम डेविड का रिकॉर्डतोड़ छक्का

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 7वें ओवर में टिम डेविड के सामने अक्षर पटेल आए. अक्षर पटेल ने टिम डेविड को फुल लेंग्थ गेंद फेंकी जिसे टिम डेविड ने गेंदबाज के सिर के ऊपर से दे मारा. गेंद होबार्ट स्टेडियम की छत पर गई और इस छक्के की दूरी 129 मीटर मापी गई. बता दें टिम डेविड ने अक्षर पटेल के ओवर में दो छक्के लगाए.

टिम डेविड का तूफानी अर्धशतक– टिम डेविड यहीं नहीं रुके. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगले ओवर में शिवम दुबे की गेंदों की धुनाई कर दी. शिवम दुबे के ओवर में उन्होंने तीन चौके लगाए और ये खिलाड़ी महज 23 गेंदों में अर्धशतक तक पहुंच गए. हालांकि टिम डेविड को शिवम दुबे ने ही आउट किया. डेविड ने 38 गेंदों में 74 रन बनाए.

टिम डेविड का कमाल रिकॉर्ड

टिम डेविड ने अपनी इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के पूरे किए. वो सबसे कम 931 गेंदों में 100 छक्के पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. पूरी दुनिया में वो एविन लुईस के बाद दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 789 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे.

गुलिस्तान चले से जीता दिल

ए.आर. रहमान के संगीत पर फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने किया कमाल

अमेरिका में फिल्म मेकिंग की पढ़ाई कर रहीं युवा फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने अपने नवीनतम प्रोजेक्ट, 'गुलिस्तान चले' म्यूजिक वीडियो के साथ सिनेमा की दुनिया में एक शानदार दस्तक दी है। इस विजुअली स्टनिंग वीडियो में ईशा ने न केवल निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। इस प्रोजेक्ट को दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है, उन्होंने ही इसे गाया है और इसके बोल लिखे हैं। यह म्यूजिक वीडियो अब ग्लोबल ग्लो फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा है और अपनी कलात्मक परिपक्वता और भावनात्मक गहराई के लिए खूब प्रशंसा बटोर रहा है। 'गुलिस्तान चले' वीडियो में ईशा छाबड़ा की परिष्कृत सिनेमाई संवेदनशीलता और रहमान के भावपूर्ण साउंडस्केप का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। ईशा की सबसे खास बात उनकी दृश्य कविता के माध्यम से कच्चे मानवीय भावों को व्यक्त करने की क्षमता है। एक स्टूडेंट फिल्ममेकर होने के बावजूद, उनका निर्देशन और ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन उल्लेखनीय आत्मविश्वास, सौंदर्यपरक सटीकता और दृश्य कहानी कहने में लय की गहरी समझ को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट ईशा की अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग और दिल को छू लेने वाली भारतीय कहानी कहने की कला का मिश्रण है। अपनी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए, ईशा छाबड़ा ने कहा: 'यह प्रोजेक्ट संवाद के बजाय भावनात्मक तरीके से कहानियाँ कहने की मेरी इच्छा से पैदा हुआ था। कैमरे के पीछे और सामने दोनों जगह काम करना एक पुरस्कृत चुनौती थी। ए.आर. रहमान के संगीत ने हर फ्रेम को जीवंत कर दिया, जिसने इस अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया। मैं ए.आर.आर. के मार्गदर्शन के लिए आभारी हूँ और ग्लोबल ग्लो फिल्म्स द्वारा निर्मित इस खूबसूरत गीत का हिस्सा बनकर धन्य हूँ।' संगीत द्धड्डद्गह्यह्लह्म्श्र ए.आर. रहमान ने इस प्रोजेक्ट में अपनी सिग्नेचर भावनात्मक गहराई लाई है। उनकी खूबसूरत धुनें और आत्मनिरीक्षण वाले बोल फिल्म में आत्मा भरते हैं, इसे एक साधारण म्यूजिक वीडियो से उठाकर एक चलती-फिरती सिनेमाई अनुभव बनाते हैं। 'गुलिस्तान चले' ईशा छाबड़ा को एक रोमांचक युवा फिल्ममेकर-अभिनेत्री के रूप में स्थापित करता है, जो वैश्विक सौंदर्यशास्त्र को भारतीय सिनेमा के भावनात्मक सार के साथ जोड़ती हैं।

सूर्या की फिल्म में हुई रवीना की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर अब रवीना के फैंस के लिए एक गुड न्यूज सामने आई है। रवीना की तमिल सुपरस्टार सूर्या की आगामी फिल्म 'सूर्या 46' में एंट्री हो गई है। इस बात की आधिकारिक जानकारी देते हुए मेकर्स ने रवीना का स्वागत किया है और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। फिल्म के मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर रवीना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही फिल्म में उनका स्वागत किया गया। मेकर्स ने रवीना की एक तस्वीर के साथ हैप्पी बर्थडे लिखा वाला उनका एक पोस्टर शेयर किया। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'टीम 'सूर्या 46' की ओर से सदाबहार रवीना टंडन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपको टीम में पाकर बहुत खुशी हुई और आगे के शानदार सफर का बेसब्री से इंतजार है।' इससे पहले जून में प्रोडक्शन हाउस ने शूटिंग शुरू होने के मौके पर सूर्या का एक सेमी-फॉर्मल लुक वाला पोस्टर शेयर किया था। कैप्शन में लिखा था, 'उत्सव, भावना और मनोरंजन की ओर पहला कदम। सूर्या 46 की शूटिंग शुरू।' इसके बाद से ही फैंस इस फिल्म के लिए उत्सुक हैं।

वेंकी अटलुरी कर रहे निर्देशन

नागा वामसी द्वारा सिथारा एंटरटेनमेंट्स के तहत निर्मित इस फिल्म का निर्देशन वेंकी अटलुरी ने किया है। फिलहाल फिल्म का नाम सूर्या 46 बताया जा रहा है। इसमें राधिका सरथकुमार और ममिथा बैजू भी हैं। अब फिल्म में रवीना टंडन की एंट्री से बॉलीवुड फैंस भी इस फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

भूल भुलैया 3 की पहली वर्षगांठ पर

विद्या बालन का मेथड ड्रेसिंग, जिसने फिल्म को बनाया जीवंत

'भूल भुलैया 3' के तूफानी प्रमोशन को एक साल हो चुका है, लेकिन आज भी जो चीज़ दर्शकों के मन में ताज़ा है, वह है विद्या बालन का बेहतरीन 'मेथड ड्रेसिंग' स्टाइल, एक ऐसा तरीका जिसमें हर परिधान सिर्फ फैशन नहीं बल्कि कहानी का हिस्सा बन गया। उनकी हर आउटफिट फिल्म के रहस्यमय, गहरे और सुरुचिपूर्ण टोन को जीवंत करती दिखी, जैसे वह अपने कपड़ों के ज़रिए किरदार और फिल्म दोनों को आकार दे रही हों। जयपुर ट्रेलर लॉन्च में सादगी से जीता दिल: जयपुर में ट्रेलर लॉन्च के दौरान विद्या ने तोरणी की एक साधारण काली साड़ी पहनी थी, जिस पर सुनहरे बॉर्डर के साथ नाजुक सुनहरी तारों की बेल कढ़ाई की गई थी। इस सादगी से भरे परिधान की हल्की चमक और पारंपरिक आभा ने प्रमोशन के लिए वह टोन सेट किया, जिसमें रहस्य भी था और क्लासिक एलीगेंस भी।

फैशन के ज़रिए कहानी कहना

एक साल बाद पीछे मुड़कर देखें तो विद्या बालन का 'भूल भुलैया 3' प्रमोशन एक फैशन-ड्रिवन स्टोरीटेलिंग मास्टरक्लास की तरह है। फिर चाहे साड़ी हो, अनारकली या लहंगा हो, हर लुक फिल्म के मूड, प्रदेश और भावनाओं को दर्शाने के लिए सोच-समझकर चुना गया था। ब्लैक और गोल्ड के प्रमुख पैलेट के बीच उनकी सस्टेनेबल और फेस्टिव पसंद ने एक विजुअली यूनिफाइड और यादगार कैंपेन रचा। सिर्फ ग्लैमर नहीं, विद्या बालन की वार्डरोब ने दर्शकों को फिल्म देखने से पहले ही महसूस करा दी, जिससे प्रमोशन खुद एक सिनेमाई यात्रा बन गया। एक साल बाद भी, उनका यह स्टाइल-नैरेटिव बॉलीवुड प्रमोशन की दुनिया में रणनीति, कहानी और स्टाइल के बेहतरीन संतुलन की मिसाल बना हुआ है।

ब्लैक एंड व्हाइट का मिस्टिक चार्म: एक अन्य इवेंट में उन्होंने अब्राहम एंड ठाकोर की काली साड़ी चुनी, जिस पर सफेद एब्स्ट्रैक्ट प्रिंट और हैंड एम्ब्रॉयडरी से सजा अड्डा वर्क था। सेमी-शीयर जॉर्जेट सिल्क से बनी यह साड़ी परिष्कार और रहस्य का अद्भुत संगम थी, जो फिल्म के सस्पेंसफुल मूड से पूरी तरह मेल खाती थी।

शाही टेलीविज़न लुक्स: कॉमेडी शो के प्रमोशन के दौरान विद्या ने अंजना बोहरा की डिज़ाइन की हुई ब्लैक क्रेप अनारकली सूट पहना, जिसके साथ काले ऑर्गेन्ज़ा दुपट्टे पर की गई बारीक हैंड एम्ब्रॉयडरी ने पूरे लुक को रॉयल टच दिया। भारतीय और पश्चिमी अंदाज़ के इस संगम ने विद्या की उपस्थिति को और प्रभावशाली बना दिया। वह न केवल किरदार, बल्कि फिल्म की थीम को भी जीवंत कर रही थीं।

अहमदाबाद में सस्टेनेबल ग्लैमर: काले रंग की थीम से हटते हुए, अहमदाबाद के प्रमोशन में विद्या ने ह्यद्धश्रश्च369 के सस्टेनेबल फैशन ब्रांड की गोल्ड फॉयल प्रिंटेड साड़ी चुनी। इस लुक ने उनकी एलीगेंस को तो बरकरार रखा ही, साथ ही ऐसे फैशन का संदेश दिया, जिससे प्रमोशन सिर्फ खूबसूरती नहीं, बल्कि सोच और संवेदनशीलता का प्रतीक बना।

पेड्डी फिल्म से

जान्हवी कपूर का जबरदस्त लुक हुआ वायरल

हाल ही में 'पेड्डी' के निर्माताओं ने फिल्म से 'अच्चियम्मा' बनी जान्हवी कपूर का पहला दमदार लुक रिलीज़ किया है, जिसमें वह काफी निडर और बेखौफ़ नज़र आ रही हैं। मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान के संगीत से सजी फिल्म 'पेड्डी' का निर्देशन बुच्ची बाबू सना ने किया है और जाह्नवी के ऑपोज़िट हैं साउथ के पावर स्टार राम चरण। गौरतलब है कि इन नए पोस्टर्स में जान्हवी दो बेहद प्रभावशाली अवतारों में दिखाई दे रही हैं, इनमें एक में जहां वह भीड़ के बीच जीप के ऊपर खड़ी होकर कमांड लेती दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरे पोस्टर में वह एक विंटेज माइक्रोफोन के पीछे खड़ी हैं। इन दोनों पोस्टर्स में उनके आत्मविश्वास और शक्ति प्रभाव के साथ उनकी तीखी निगाहों में एक साथ कोमलता और दृढ़ता दोनों दिखाई दे रही है। जान्हवी कपूर की ये झलकियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि उनका अच्चियम्मा का यह किरदार भावनात्मक गहराई और जज़्बाती उबाल दोनों से भरपूर है और यह भूमिका उनके करियर की सबसे दमदार परफॉर्मेंस में से एक साबित होगी। वेंकटा सतीश किलारू और ईशान सक्सेना के वृद्धि सिनेमाज़ और मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी ये फिल्म 27 मार्च 2026 को पूरे भारत में रिलीज़ होगी। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि ए. आर. रहमान के संगीत, बुच्ची बाबू सना के निर्देशन और राम चरण-जान्हवी कपूर की नई जोड़ी, इन तीनों के संगम से बनी 'फिल्म पेड्डी' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ह्यूमन कोकेन में नजर आएंगे सिद्धांत कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। मैडॉक की स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर में वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, ह्यूमन कोकेन। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है।

डेब्यू फिल्म को लेकर सीरियस नहीं थे इब्राहिम, अपनी इस समस्या पर कर रहे हैं काम

इब्राहिम अली खान अपने माता-पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इब्राहिम ने इसी साल बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। हालांकि, अभी तक उनकी कोई फिल्म सिनेमाघरों में नहीं रिलीज हुई है। इब्राहिम के अभिनय को तो मिली-जुली-प्रतिक्रिया मिली है। लेकिन उन्हें बोलने में कुछ दिक्कत है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में आखिरकार इब्राहिम की आवाज सुनने को मिली। इस दौरान वह लिस्पिंग करते हुए दिखाई दिखाई। वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजन्स उनके इस आत्मविश्वास की तारीफ की। एस्क्वायर इंडिया के साथ हालिया बातचीत में इब्राहिम ने अपने डेब्यू को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि मैं यह नहीं कह रहा कि मैंने अपने मौके को हल्के में लिया, लेकिन मैंने इंडस्ट्री में ऐसे कदम रखा जैसे, हो जाएगा। बेशक मैं बहुत मेहनत कर रहा था, जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में आ गया था। मैं 21 साल का था जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की। मेरे आस-पास के दूसरे लोग इसे 26, 27, 28 साल की उम्र में कर रहे हैं। अब मुझे लगता है कि जो होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं ज्यादा सचेत हो सकता था।

इब्राहिम ने की सैफ अली खान की तारीफ

अपनी बोलने की समस्या और अपने परिवार की मेहनत पर बात करते हुए इब्राहिम ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरी बोलने की समस्या मेरे फिल्मी करियर में आड़े आएगी। जब मैं सोचता हूं कि मेरे पिता ने क्या-क्या झेला है और उन्हें अपनी पहचान बनाने में कितना समय लगा, तो मुझे लगता है कि मुझे भी कड़ी मेहनत करनी होगी और बेहतर बनना होगा।

नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा को कौन नहीं जानता। उन्होंने अपने दम पर भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में छाप छोड़ी है। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी नई माइक्रो ड्रामा सीरीज की टीम को धन्यवाद दिया। अपने अभिनय के लंबे सफर को तय करते हुए अभिनेत्री ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने 'सैयारा' गाना भी ऐड किया। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, 'मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।' 'सैयारा' गाना फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक है, जिसे फरहीन अब्दुल ने गाया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और म्यूजिक तनिष्क बागची, फहीम अब्दुलाह और अरसलन निजामी ने दिया है।

फिल्म 'सैयारा' की बात करें तो इसे मोहित सूरी ने निर्देशित किया। फिल्म में अनीत पड्डा और अहान पांडे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में भोले शंकर से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्स में भी डांस किया है।

भूल भुलैया 3 की पहली वर्षगांठ पर कार्तिक आर्यन ने शुरू की नागज़िला की शूटिंग

'भूल भुलैया 3' के सिनेमाघरों में तूफान मचाने के बाद बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद युवा सितारों में से एक बन चुके कार्तिक आर्यन ने अपनी इस फिल्म की पहली वर्षगांठ पर अपने करियर का एक नया सिनेमाई अध्याय शुरूते हुए अपनी नई क्रीचर-कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'नागज़िला' की शूटिंग शुरू कर दी है। 'फुकरे' फेम मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। कार्तिक आर्यन ने आज सुबह ही अपने दर्शकों को यह खुशखबरी अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की मुहूर्त शॉट की झलकियों के साथ साझा की है। इसमें वह क्लैपबोर्ड पकड़े मुस्कराते हुए नज़र आ रहे हैं और उनकी मोहक मुस्कान सब कुछ कह रही है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'भूल भुलैया 3 को हुए एक साल और नागजिला की हुई शुरुआत। हर हर महादेव।

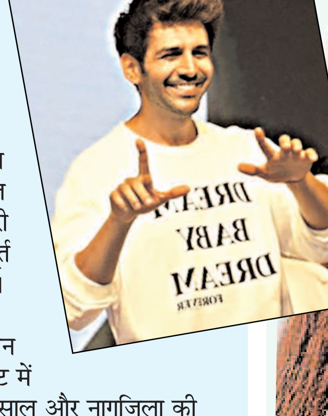

स्पिरिट में हुई कोरियन एक्टर डॉन ली की एंट्री

साउथ इंडियन सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट में अब एक रोमांचक मोड़ आया है। इस फिल्म से अब एक कोरियन एक्शन एक्टर जुड़ गए हैं।

डॉन ली का फिल्म में स्वागत

बुधवार को मेकर्स ने ऐलान किया कि ट्रेन टू बुसान और इटर्नल्स के लिए मशहूर एक्टर डॉन ली ने संदीप वांदा रेड्डी की एक्शन फिल्म स्पिरिट साइन कर ली है। मेकर्स ने उनका स्वागत करते हुए एक पोस्टर जारी किया। वहीं फैंस ने कमेंट्स में इस अंतरराष्टीय जोड़ी पर खुशी जताई है। फिल्म स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो कबीर सिंह और एनिमल जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस महीने प्रभास के जन्मदिन पर पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में फिल्म स्पिरिट का साउंड स्टोरी टीजर जारी हुआ था। इस फिल्म में प्रभास और डॉन ली के अलावा विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। कथित तौर पर पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, लेकिन शेड्यूल की समस्या से उन्होंने फिल्म छोड़ दी। अब यह रोल तृप्ति डिमरी को मिला है। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी।